

ब्रिक्स देश साझी संस्कृति, शांति और पारस्परिक सम्मान के सूत्र से बंधे हैं: केन्द्रीय मंत्री शेखावत

ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव में गुंजा विश्व शांति और सांस्कृतिक एकता का संदेश

भारत सहित ब्रिक्स देशों के कलाकारों ने संगीत और नृत्य से प्रस्तुत किया सांस्कृतिक समन्वय

भोपाल/नवप्रदेश। केन्द्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि ब्रिक्स राष्ट्र केवल आर्थिक या राजनीतिक साझेदारी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे साझी

संस्कृति, शांति, पारस्परिक सम्मान और समावेशी विकास की गहरी भावना से एकजुट हैं। केन्द्रीय मंत्री शेखावत, ब्रिक्स संस्कृति मंत्री समूह की तीसरी बैठक के दौरान रवीन्द्र भवन, भोपाल में आयोजित ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महता को रेखांकित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश की यह धरा सदियों से सभ्यताओं, विचारों, आस्थाओं और कलात्मक परंपराओं का संगम स्थल रही है। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने भीमबेटका के प्रागैतिहासिक



शैलीचित्रों, सांची की शांति, खजुराहो के जनजातीय समुदायों की परंपराओं का भव्य मंदिरों और यहाँ के जीवंत उल्लेख करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश

भारत की समृद्ध सभ्यतागत यात्रा की निरंतरता को सुंदरता से दर्शाता है। भारतीय जीवन दर्शन के मूल मंत्रों वसुधैव कुटुंबकम (विश्व एक परिवार है) और अतिथि देवो भव की महता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत के लिए आतिथ्य केवल एक सामाजिक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक उच्च सभ्यतागत मूल्य है। उन्होंने कहा कि भले ही ब्रिक्स देशों की भाषाएँ, इतिहास और कलात्मक अभिव्यक्तियाँ भिन्न हों, लेकिन संगीत और कला मानव आत्मा की सार्वभौमिक भाषा हैं, जो विभिन्न सभ्यताओं को मित्रता, शांति और आशा

के सूत्र में जोड़ती हैं। संबोधन में उन्होंने उल्लेख किया कि इस सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत सर्वे भवन्तु सुखिनः की सर्वकल्याणकारी प्रार्थना से हो रही है, जो आज के वैश्विक परिदृश्य में अत्यंत प्रासंगिक संदेश है। उन्होंने झीलों की नगरी भोपाल और भारत के हृदय प्रदेश में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रवास ब्रिक्स व्यक्त किया कि यह प्रवास ब्रिक्स परिवार के बीच परस्पर समझ और सांस्कृतिक बंधनों को और अधिक सुदृढ़ करेगा। ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव में संगीत, नृत्य और

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विश्व शांति, सांस्कृतिक संवाद और वैश्विक सद्भाव का संदेश दिया गया। भारत सहित ब्रिक्स देशों के प्रतिष्ठित कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से सांस्कृतिक विविधता में एकता की भावना को साकार किया।लगभग 32 मिनट के विशेष संगीत कार्यक्रम का शुभारंभ 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' मंगलाचरण से हुआ। इसके बाद 'भारतीय संगीत के रंग' के माध्यम से हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत की समृद्ध परंपराओं का सुंदर समन्वय देखने को **■ शेष पृष्ठ 6 पर**

आज बेबाक
चंदा चोरी मामले को पतवार बनाकर टोटी भैया ने अपनी पंचर सायकल को चुनावी वैतरणी पार कराने का जो हसीन सपना देखा था उस पर पप्पू फालेट ने पत्नीता लगा दिया। संसद परिसर में साधु के वेश में चंदा चोर बनकर जो तमाशा किया उससे संत समाज में समाजवादी पार्टी के प्रति नाराजगी से अखिलेश यादव को लेने के देने पड़ने का डर सता रहा है। डेमेज कंट्रोल के लिए उन्होंने पीडीए की नई परिभाषा गढ़ दी है। अब वे पीडीए में पी का मतलब पंडित बता रहे हैं। कल को ए का मतलब अगड़ा बताएं तो ताज्जुब नहीं होगा।

40 साल बाद बोफोर्स केस बंद, सुप्रीम कोर्ट में याचिका खारिज

नई दिल्ली/ए। करीब 40 साल पुराने बोफोर्स घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को आखिरी याचिका भी खारिज कर दी। इसके साथ ही अब यह मामला पूरी तरह खत्म हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब इस केस में आगे सुनवाई की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने 2005 के दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली अपील भी सुनने से मना कर दिया, जिसमें हिंदुजा ब्रदर्स और बोफोर्स कंपनी को बरी कर दिया गया था। इस केस की जांच पर करीब 250 करोड़ रुपए खर्च हुए, लेकिन इतने पैसे खर्च करने के बाद भी सीबीआई मजबूत सबूत नहीं जुटा पाई।



आरोप पत्र: एक्सपर्ट्स पेपर तैयार करते समय सेवाल याद कर लेते और पर्चियों में लिखकर बिचौलियों को देते थे

नीट पेपर लीक साजिश महीनों पहले हुई, सीबीआई की चार्जशीट में दावा

नई दिल्ली/ए। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक की साजिश परीक्षा से कई महीने पहले रची गई थी। एनटीए के एक्सपर्ट्स ने पेपर तैयार करने के दौरान ही सेवाल याद कर लिए थे। सीबीआई ने दिल्ली के राज उज्ज्वल कोर्ट में दायित्व 94 पेज की चार्जशीट में यह दावा किया है।

चार्जशीट 28 जुलाई को दायित्व की गई थी। इसकी जानकारी शुक्रवार को सामने आई। इसके मुताबिक, एक्सपर्ट्स एनटीए ऑफिस से होटल लौटकर याद किए गए सेवाल पर्चियों पर लिखते थे। इसके बाद इन्हें बिचौलियों और कोचिंग नेटवर्क के जरिए छात्रों तक पहुंचाया जाता था।

एनटीए की टॉप अथॉरिटी ने सीबीआई की पूछताछ में कई खुलासे हुए थे। एनटीए में सालों से जो लोग काम कर रहे थे, उन्होंने ही पेपर लीक कर दिए। लीक किस-किस ने किया, कैसे किया ये जांच के बाद पता चल जाएगा। लेकिन ऐसा लग रहा है कि सेवाल **■ शेष पृष्ठ 6 पर**



नीट पेपर लीक का कई राज्यों तक फैला था जाल
एनटीए के 3 एक्सपर्ट्स भी पेपर लीक में शामिल
चार्जशीट में सीबीआई ने बताई अंदर की साजिश

बिचौलियों व कोचिंग संचालकों के जरिए पीपर लीक
सीबीआई के अनुसार, सेवाल वॉटरसप चैट, टेलीग्राम मैसेज, पीडीएफ और फोटो के जरिए छात्रों को भेजे जाते थे। कुछ प्राइवेट कोचिंग में छात्रों से लीक सेवाल हाथ से लिखवाए गए और परीक्षा की तैयारी कराई गई। एजेंसी के मुताबिक, यह तरीका डिजिटल सबूत छेड़ने से बचने के लिए अपनाया गया था। तलाशी के दौरान सीबीआई को ऐसी कई हाथ से लिखी कॉपीया मिली हैं।

जन सेवा में संवेदनशीलता ही सुशासन की पहचान : सीएम यादव

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री ने की आमजनों की लंबित शिकायतों की सुनवाई

जन समस्याओं के निराकरण में लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई

सीएमएचओ, तहसीलदार एवं पटवारी निलंबित, सीईओ जनपद और श्रम अधिकारी की एक-एक वेतनवृद्धि रोकने के आदेश, अन्य तीन को नोटिस

किसानों, खिलाड़ियों, छात्राओं और महिला उद्यमियों ने सुनायी अपनी सफलता की कहानी

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का शुभारंभ करते हुए छिंदवाड़ा



जिले के कलेक्ट्रेट में आमजन की समस्याओं को सुना। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर लंबित शिकायतों की आवेदकों की उपस्थिति में एक-एक कर समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की लापरवाही सामने आई, उन पर उन्होंने तत्काल सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही पात्र

हितग्राहियों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराते हुए योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को छिंदवाड़ा कलेक्ट्रेट के कार्यक्रम में जिले की प्रेरक प्रतिभाओं से आत्मीय संवाद किया। कृषि, नवाचार, खेल, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण पर्यटन, उद्योग और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करने वाले प्रतिभागियों ने अपनी सफलता की कहानियाँ मुख्यमंत्री के साथ साझा कीं। मुख्यमंत्री ने उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतिभाएं मध्यप्रदेश के विकास की वास्तविक शक्ति हैं और समाज के लिए प्रेरणा **■ शेष पृष्ठ 6 पर**

9वीं के छात्र ने की 8 लोगों की हत्या, पहले दादा-दादी को मारा

■ स्कूल में फायरिंग, बाद में कर ली आत्महत्या

बैकॉक(ए.)। थाईलैंड के एक स्कूल में शुक्रवार को 9वीं के छात्र ने फायरिंग कर दी। इसमें 3 शिक्षक और 3 छात्रों समेत 6 की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हैं। छात्र ने खुद को भी गोली मार ली और अस्पताल भे जाते समय उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, घटना राजधानी बैकॉक के पास डेक्सिरिन नोथाबुरी स्कूल की है। स्कूल पहुंचने से पहले ही छात्र ने घर में **■ शेष पृष्ठ 6 पर**



आरोपी छात्र वीडियो गेम खेलने का शौकीन था
आरोपी छात्र को लेकर नया खुलासा हुआ है। उप-गृह मंत्री पोलापी सुवानचावी ने बताया कि पुलिस जांच में पता चला है कि छात्र वीडियो गेम खेलने का शौकीन था। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक गैरिंग और हमले के बीच कोई सीधा संबंध नहीं बताया है।

हूती विद्रोहियों के हमले में 58 सैनिकों की मौत, 11 घायल

■ हूती विद्रोहियों का यमन-सऊदी अरब पर हमला, कई जगह लगी आग

सऊदी अरब/ए। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने गुरुवार को सऊदी अरब और यमन में एक साथ बड़े हमले किए। पहला हमला यमन सरकार के मिलिट्री ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हुआ, जिसमें 58 सैनिकों की मौत हुई और दर्जनों घायल हो गए।

यमन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सही समय और सही जगह पर



जवाब दिया जाएगा। वहीं दूसरा हमला सऊदी के नजरान में हुआ, जिसमें 11 नागरिक घायल हुए। इनमें 7 सऊदी, एक यमनी, दो मिस्री, एक पाकिस्तानी नागरिक है। वहीं, एक 4 साल का एक बच्चा भी घायल हुआ है। हमलों के बाद नजरान के कई हिस्सों में आग लग गई।

पीएम मोदी की बागी सांसदों से मुलाकात

■ घर पर टीएमसी और उद्धव गुट के 45 सांसदों के साथ मीटिंग, कहा- उन्हें विंता करने की जरूरत नहीं, हम साथ हैं

नई दिल्ली/ए। संसद के मानसून सत्र में जारी हंगामे के बीच पीएम मोदी ने एनडीए के नए लोकसभा सांसदों के साथ शुक्रवार को ब्रेकफास्ट मीटिंग की। यह बैठक पीएम आवास में हुई। इसमें करीब 45 सांसद शामिल हुए। जिनमें टीएमसी और उद्धव गुट के बागी सांसद भी थे। ममता की पार्टी टीएमसी का साथ छोड़कर 20 बागी सांसद नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए थे। **■ शेष पृष्ठ 6 पर**



पंजाब में दोबारा अकाली-भाजपा गठजोड़ के संकेत

चंडीगढ़/ए। शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल शुक्रवार सुबह दिल्ली पहुंचे और पॉलियामेंट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद अकाली दल और भाजपा गठबंधन की चर्चा होने लगी है। पंजाब विधानसभा चुनाव में तकरबीन चार-पांच महीने का टाइम

बचा है। माना जा रहा है कि दोनों दलों के शीर्ष नेताओं की मुलाकात के बाद अब गठबंधन फाइनल हो सकता है। बता दें कि पंजाब में अकाली दल और भाजपा का गठबंधन वर्ष 1996 में हुआ और तकरबीन 25 साल चला। ये पंजाब की सियासत के सबसे सफल सियासी गठजोड़ों में से एक रहा है।

रांची में एआईएसए अध्यक्ष नेहा बोरा पर स्याही फेंकी

रांची/ए। झारखंड में 14वीं जेपीएससी रद्द करने की मांग को लेकर छात्र 14 दिनों से धरने पर हैं। छात्रों के सम्पर्क में शुक्रवार को ऑल इंडिया स्टूडेंट यूनियन (एआईएसए) के कार्यकर्ता विधानसभा घेरने निकले। इस दौरान एआईएसए की अध्यक्ष नेहा बोरा पर एक युवक ने स्याही फेंकी। उसे हिरासत में ले लिया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ा है। छात्र आंदोलन को लेकर झारखंड सीएम हेमंत सोरेन ने कहा, 'हमने छात्रों



को अपनी बात रखने के लिए पहले ही सभी जरूरी मंच उपलब्ध करा दिए हैं। सरकार हर छात्र की समस्याओं को समझना चाहती है।' हालांकि, सरकार को छात्रों के प्रतिनिधिमंडल में पूर्व महाधिवक्ता के होने पर आपत्ति है। सरकार ने साफ किया है कि वो केवल छात्रों

से बात करेगी। इधर, 4 दिन से अनशन पर बैठे आंदोलनकारी राहुल क्रांति की शुक्रवार सुबह तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से रांची सदर अस्पताल ले जाया गया है। देवेन्द्र नाथ समेत 6 आंदोलनकारी भूख हड़ताल पर हैं। वहीं बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने झारखंड के छात्रों के आंदोलन पर कहा कि अगर 13 अगस्त तक छात्रों की मांगों पर फैसला नहीं हुआ, तो वह अपनी पार्टी से अनुमति लेकर आंदोलन में शामिल होंगे।

नई दिल्ली/ए। भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-4 का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर स्थित इटीग्रेटेड टेस्ट रेंज किया गया। परीक्षण का संचालन रणनीतिक बल कमान की निगरानी में हुआ, जिसमें मिसाइल के सभी परिचालन और तकनीकी मानकों को सफलतापूर्वक परखा गया। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को कहा, 'छह अगस्त को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक

अग्नि-4 की खासियतें
■ अग्नि-4 मिसाइल की लंबाई करीब 20 मीटर है।
■ इस मिसाइल का वजन लगभग 17,000 किलोग्राम है।
■ जानकारी के मुताबिक, अग्नि-4 मिसाइल की मारक क्षमता 4,000 किलोमीटर है।
■ यह मिसाइल 1,000 किलोग्राम पेलोड ले जा सकती है।

मिसाइल अग्नि-4 का सफल परीक्षण किया गया। इस प्रक्षेपण के दौरान सभी परिचालन और तकनीकी मानकों का सफलतापूर्वक सत्यापन हुआ। यह परीक्षण **■ शेष पृष्ठ 8 पर**



2007 में शुरू हुआ था अग्नि-4 का विकास
रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने साल 2007 में 5,000 किलोमीटर कैटेगरी की मिसाइल परियोजना पर काम शुरू किया था। साल 2011 में अग्नि-4 नाम उस उन्नत संस्करण को दिया गया, जिसे हैदराबाद स्थित डीआरडीओ की एडवॉंस्ड मिसाइल लैब ने विकसित किया था। इस मिसाइल में अग्नि-2 प्राइम के मुकाबले कई तकनीकी सुधार किए गए हैं। इसमें ज्यादा शक्तिशाली पहला चरण मोटर, बेहतर दूसरा चरण मोटर, आधुनिक गाइडेंस सिस्टम और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली शामिल हैं।

कई बार हो चुका है सफल परीक्षण
अग्नि-4 का पहला परीक्षण साल 2010 में किया गया था। इसके बाद 20 जनवरी 2014 को इसे 4,000 किलोमीटर की दूरी तक सफलतापूर्वक दागा गया। इस परीक्षण में मिसाइल करीब 850 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंची और बाद में हिंद महासागर में अपने निर्धारित लक्ष्य पर गिरी। इसके बाद रणनीतिक बल कमान ने 2 दिसंबर 2014 को पहला यूजर ट्रायल किया, जिसमें मिसाइल ने 3,500 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय की। इसके अलावा 2015, 2017 और 2018 में भी इसके सफल परीक्षण किए गए।

महापौर परिषद के चार वर्ष पूर्ण होने पर अमृत प्रेस वार्ता आयोजित

अमृत खंडवा के संकल्प को विकास कार्यों से मिली नई पहचान

खंडवा। नव प्रदेश। महापौर परिषद के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शुक्रवार को निजी होटल में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव ने परिषद के चार वर्षीय कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों एवं उपलब्धियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण संकल्प से सिद्धि तक विषय पर मीडिया प्रतिनिधियों के समक्ष रखा। अमृत मीडिया संवाद प्रेस वार्ता में महापौर अमृता यादव के साथ परिषद अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, एमआईसी सदस्य राजेश यादव सोमनाथ काले, विकी भांवरे, अनिल वर्मा, आशीष चटकेले, आयुक्त श्रीमती प्रियंका राजावत, वरिष्ठ प्रवक्ता सुनील जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव ने कहा कि वर्ष 2022 में जनता से किए गए अधिकांश संकल्पों को समयबद्ध रूप से पूरा करने का प्रयास किया गया है तथा शेष मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्य भी तीव्र गति से प्रगति पर हैं। उन्होंने इस चार वर्षीय विकास यात्रा को अमृत खंडवा की संज्ञा देते हुए कहा कि यह कार्यकाल केवल निर्माण कार्यों का नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर में गुणात्मक परिवर्तन लाने का कार्यकाल रहा है। उन्होंने कहा कि



नगर निगम द्वारा आधारभूत अधोसंरचना, पेयजल, सीवरेज, सड़क, आवास, जल संरक्षण, परिवहन, रोजगार, पर्यावरण एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में किए गए कार्यों ने खंडवा को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं नागरिक-केंद्रित शहर के रूप में स्थापित करने की मजबूत आधारशिला रखी है।

प्रश्न- चार वर्षों में सड़क एवं परिवहन के क्षेत्र में क्या प्रमुख कार्य हुए ?

उत्तर- महापौर ने बताया कि भविष्य के खंडवा को ध्यान में रखते हुए 36.70 करोड़ की एम.आर.-12 से एम.आर.-13 सड़क परियोजना का डीपीआर शासन को भेजा गया है। 7.97 करोड़ की लागत से ट्रांसपोर्ट नगर परियोजना प्रगतिरत है। 99,340 वर्गमीटर क्षेत्र में विकसित ट्रांसपोर्ट नगर में कुल 319 भूखंड विकसित किए गए हैं, जिनमें 113 का आवंटन किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त लगभग 715 करोड़ की लागत से 16.92 किलोमीटर बीटी सड़क तथा लगभग 7 किलोमीटर सीसी सड़क का निर्माण किया गया। मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना के अंतर्गत लगभग 710 करोड़ के कार्य पूर्ण किए गए हैं तथा लगभग 78.17 करोड़ के अतिरिक्त अधोसंरचना कार्य प्रगतिरत हैं।

प्रश्न - वर्षों से चली आ रही



उपलब्धियाँ रहीं ?

उत्तर - योजना के अंतर्गत 17,243 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 14,126 ऋण स्वीकृत एवं 13,805 हितग्राहियों को ऋण वितरित किया गया। प्रथम ऋण के 8,207, द्वितीय ऋण के 4,282 तथा तृतीय ऋण के 1,316 प्रकरण वितरित हुए। 260 पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड जारी किए गए तथा 9,419 डिजिटल लेनदेन दर्ज किए गए। स्वनिधि से समृद्धि अभियान के अंतर्गत 36,995 सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान किए गए। उत्कृष्ट कार्य के लिए मार्च 2025 में खंडवा नगर निगम को मध्य प्रदेश के सभी नगर निगमों में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

प्रश्न-हरित विकास एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में क्या उपलब्धियाँ रहीं ?

उत्तर- नगर निगम द्वारा 123 उद्यानों का संरक्षण, 87 उद्यानों का विकास, 15 ओपन जिम, 21 वॉकिंग ट्रैक, 5 फाउंटेन एवं 1 ऑक्सीजन पार्क विकसित किया गया। वर्ष 2024 से 2026 के बीच लगभग 2.63 लाख पौधारोपण किया गया। महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत 154 स्वयं सहायता समूह गठित किए गए, 135 समूहों को 1 लाख से 710 लाख तक के ऋण उपलब्ध कराए गए तथा 114 हितग्राहियों को ऋण प्रदान किया गया।

महिलाओं को जल गुणवत्ता परीक्षण, पार्क प्रबंधन एवं हरित गतिविधियों में भी सहभागी बनाया गया।

प्रश्न -दीनदयाल अंत्योदय रसोई योजना में क्या उपलब्धियाँ रहीं ?

उत्तर- नगर निगम द्वारा संचालित 4 पंजीकृत रसोइयों के माध्यम से अप्रैल 2022 से जुलाई 2026 तक 7,05,583 भोजन कूपनों का वितरण किया गया। योजना पर लगभग 779.91 लाख व्यय हुए, जबकि लाभार्थियों से 749.15 लाख का अंशदान प्राप्त हुआ। प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों द्वारा जलकर, नगर निगम पुस्तकालय, बैंक भवनों में पार्किंग व्यवस्था, सोलर ऊर्जा परियोजनाओं तथा कुंडों के जीर्णोद्धार सहित विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे गए, जिनका महापौर अमृता अमर यादव ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया की कार्यक्रम के अंत में महापौर अमृता अमर यादव, अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा एवं एमआईसी सदस्यों द्वारा उपस्थित वरिष्ठ पत्रकारों एवं मीडिया प्रतिनिधियों का स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। प्रेस वार्ता का संचालन प्रवक्ता सुनील जैन द्वारा किया गया एवं आयुक्त प्रियंका राजावत द्वारा प्रस्तुत आभार धन्यवाद ज्ञापन के साथ प्रेस वार्ता सौहार्दपूर्ण एवं

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने नियम-377 के तहत रखी मांग

रेल यात्री और ऑपरेशनल सुविधाएं बढ़ाने पर ध्यानाकर्षित किया

खंडवा। नव प्रदेश। लोकसभा क्षेत्र खंडवा बुरहानपुर के सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने लोकसभा में नियम-377 के अंतर्गत सिंहस्थ-2028 की तैयारियों से जुड़े महत्वपूर्ण रेल विकास कार्यों का मुद्दा उठाया है। 6 अगस्त 2026 को लोकसभा सचिवालय में प्रस्तुत मामले में उन्होंने केन्द्रीय रेल मंत्री का ध्यान मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर की रेल सुविधाओं के विस्तार की ओर ध्यानाकर्षित किया है। सदन नहीं चलने के कारण इनके जवाब लिखित में मिलेंगे। प्रवक्ता सुनील जैन और मध्य रेल समिति सदस्य मनोज सोनी ने बताया कि सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने विगत माह निर्माणाधीन



ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग रेलवे स्टेशन का दौरा कर निर्माण कार्यों का जायजा लिया था। जिसमें ओंकारेश्वर स्टेशन पर सिंहस्थ आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए के कुछ खामियां दिखी जिनका प्रबंध नहीं किया गया तो

प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने मांग की है कि सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए ओंकारेश्वर दर्शन के लिए नई रेलगाड़ियों का संचालन किया जाए तथा ओंकारेश्वर के नए रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए। इसके साथ ही खंडवा जंक्शन को रतलाम-झुखंडवा रेल लाइन से जोड़ने के लिए स्वचयाई का कार्य भी जल्द पूरा करने की आवश्यकता बताई गई है। उन्होंने यह भी प्रस्ताव रखा कि भोपाल-झुंझारपुर ज्योतिर्लिंग एक्सप्रेस सहित अन्य प्रमुख मार्गों से वाया खंडवा होकर ओंकारेश्वर स्टेशन तक नई रेल सेवाएं प्रारंभ की जाएं, ताकि

सिंहस्थ-2028 के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की सुगम और बेहतर रेल सुविधा मिल सके। सुनील जैन ने बताया कि सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने रेल मंत्री को भेजे अन्य एक विस्तृत पत्र में भी आग्रह किया है कि सिंहस्थ-2028 से पहले सभी आवश्यक रेल विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। ओंकारेश्वर स्टेशन पर कोच में पानी भरने, ट्रेनों के सेकेंड्री मेंटेंनेंस, रॉनिंग रूम, सहित अतिरिक्त लूप लाइनें, स्टेबलिंग लाइनें बंवाई जावे साथ ही नई रेलगाड़ियों के संचालन की घोषणा यथाशीघ्र की जाए, जिससे ओंकारेश्वर आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर आवागमन

मीनू में खाना नहीं, इल्लियां मिलती हैं

हॉस्टल के छात्र कलेक्ट्रेट पहुंचे, बोले-अस्पताल में भी नहीं हुआ इलाज, घर भेजने की धमकी

खंडवा। नव प्रदेश। पहुंचेंगे तो बहेंगे के नारे के बीच खंडवा जिले की ग्राम पंचायत में स्थित सरकारी छात्रावास में बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। गुरुवार को हॉस्टल के दर्जनों छात्र हाथों में थाली लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

मीनू के नाम पर सिर्फ धोखा- छात्रों ने बताया कि शासन द्वारा जारी मीनू के हिसाब से भोजन नहीं दिया जाता। खाने में रोज कीड़े और इल्लियां निकलती हैं। घंटियां भोजन करने से कई बच्चों की तबीयत खराब हो गई।



अस्पताल में भी मिला अपमान- बीमार बच्चों को सरकारी अस्पताल ले जाया गया। लेकिन आरोप है कि वहां मिला दवाई-गोली से भी तबीयत ठीक नहीं हुई। सबसे शर्मनाक बात ये रही कि अस्पताल से उन्हें कह दिया गया - आप अपने घर जाओ,

आपकी जितनी हैसियत है उतना ही भोजन मिलेगा।

हॉस्टल में गुंडागर्दी के आरोप- छात्रों ने कलेक्टर से ये भी शिकायत की कि हॉस्टल के कर्मचारी शराब पीकर आते हैं और शिकायत करने पर वार्डन मारपीट करता है।

कलेक्टर से जांच की

मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों को मिली एयर कंडीशंड बस की सौगात

खंडवा। हरसूद विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक अजय योद्धा आदिवासी गरीबों के दिलों पर राज करने वाले प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह नवाचार के मामले में मशहूर है, जन्हित की कई योजनाओं को प्रदेश में लागू करवाया, समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि गुरुवार शाम को खंडवा के मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों को नवाचार करते तेज तुझको अर्पण क्या लगे मेरा एक विशेष सौगात दी। उन्होंने मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए जिला खनिज निधि से स्वीकृत वातानुकूलित बस का फीता काटकर लोकार्पण किया और इसके बाद मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ बस से कॉलेज परिसर का भ्रमण किया। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि लोकार्पण के इस कार्यक्रम में प्रभारी कलेक्टर डॉ. नागार्जुन भी, गौड़ा तथा मेडिकल कॉलेज के डीन डॉक्टर संजय दादू सहित अन्य डॉक्टरों और विद्यार्थीगण भी मौजूद थे।



लियो क्लब खण्डवा की प्रेरणा से

जरूरतमंद महिला को मिला जीवनदायी रक्त

खंडवा। नव प्रदेश। लायन्स क्लब खण्डवा एवं लियो क्लब खण्डवा द्वारा सेवा कार्यों के अंतर्गत समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित करने के साथ ही जरूरतमंद मरीजों को आवश्यकता पड़ने पर रक्त उपलब्ध कराने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी सेवा भावना के तहत दो युवाओं ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। शिविनी निवासी दीपक राणा परिवार की एक महिला की तबीयत खराब होने तथा हीमोग्लोबिन अत्यंत कम होने के कारण उन्हें तत्काल रक्त की आवश्यकता थी। महिला का ब 71 ऑपरेशन भी होना था। इस संबंध में लियो क्लब से प्राप्त सूचना पर लायन्स क्लब की झोन चैयरपर्सन लायन आशा उपाध्याय ने अपने पुत्र अपूर्व उपाध्याय एवं लायन्स डिस्ट्रिक्ट

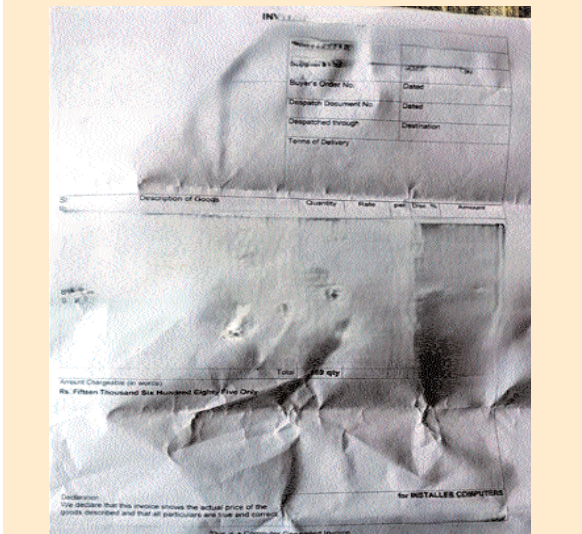


चेयरमेन नारायण बाहेती ने तत्काल पहल करते हुए अपने पुत्र हर्ष बाहेती को रक्तदान के लिए ब्लड बैंक भेजा। दोनों युवाओं ने समय पर रक्तदान कर जरूरतमंद महिला को जीवनदायी रक्त उपलब्ध कराया। उनके इस मानवीय प्रयास से महिला के उपचार एवं प्रस्तावित ऑपरेशन में महत्वपूर्ण सहायता मिली। रक्तदान अवसर पर

लियो क्लब खण्डवा अध्यक्ष लियो अभिषु शर्मा, आसन्न पूर्व अध्यक्ष लियो सुमित परिहार एवं पास्ट प्रेसिडेंट लियो अपर्षित युवाओं ने समय पर रक्तदान कर जरूरतमंद महिला को जीवनदायी रक्त उपलब्ध कराया। उनके इस मानवीय प्रयास से महिला के उपचार एवं प्रस्तावित ऑपरेशन में महत्वपूर्ण सहायता मिली। रक्तदान अवसर पर

स्वच्छ भारत में 95 हजार का गोलमाल

बिजौरा भील पंचायत-कापजों पर पूरा, धरातल पर अथूरा शौचालय



खंडवा। नव प्रदेश। सरकार एक तरफ स्वच्छ भारत अभियान पर करोड़ों खर्च कर रही है, वहीं ग्राम पंचायत बिजौरा भील में इसी योजना के तहत भारी अनियमितता का मामला सामने आया है। सूत्रों और पंचायत के दस्तावेजों के अनुसार पंचायत भवन में शौचालय निर्माण के लिए 95 हजार रुपये स्वीकृत किए गए थे। सरकारी रिकॉर्ड में पूरी राशि भुगतान भी दिखाई गई है।

दस्तावेजों में गड़बड़ी के आरोप- शिकायतकर्ताओं का कहना है कि 95 हजार का भुगतान 2 अलग-अलग संस्थाओं को एक ही दिन में किया गया है। लेकिन चौंकारे वाली बात ये है कि बिलों में काम का विवरण, मात्रा और दर स्पष्ट नहीं है। किस सामान के लिए कितना पैसा दिया ये कहीं नहीं लिखा।

जमीनी हकीकत अलग- ग्रामवासियों ने बताया कि पंचायत भवन में जाकर देखा जाए तो शौचालय का काम अभी अधूरा पड़ा है। पैसा पूरा निकल गया, लेकिन सुविधा जीरो है - एक ग्रामीण ने कहा।

जांच की मांग

ग्रामवासियों ने जिला पंचायत दृश्वह और कलेक्टर से मांग की है कि बिलों और भौतिक सत्यापन की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो

सुविचार

जिंदगी का सबसे दर्दनाक लगहा वो होता है जब आपकी आंखों में आंसू लाने वाला ही आपसे पूछे कि - क्या हुआ?

एफसीआरए बिल का विरोध

सरकार संसद के मानसून सत्र में विदेशी अंशदान(विनियमन) संसोधन विधेयक(एफसीआरए बिल) पेश करने जा रही है। इस बिल के पेश होने की सुगबुगाहट लगते ही इसाई समुदाय ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है। ईसाई समुदाय के एक प्रतिनिधि मंडल ने गुहमंत्री अमित शाह से भेंट कर उनके सामने एफसीआरए बिल पर आपर्ति जताई है। उन्होंने मांग की है कि सरकार इस बिल को वापस ले ले। यदि इसे संसद में पेश ही करना है तो फिर इय बिल को संयुक्त संसदीय समीति के पास भेजे। गुह मंत्री अमित शाह से मिजोरम के मुख्यमंत्री लालकुहोमा ने भी मुलाकात की और इस बिल के छह मुद्दों पर अपनी आपर्ति दर्ज कराई है। गुहमंत्री अमित शाह ने उन्हें आशवासन दिया है कि सरकार उनकी आपत्तियों पर भी विचार करेगी। गौरतलब है कि एफसीआरए बिल का विदेशी और भारतीय मिसनरी संगठन लगातार विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस बिल के पारित हो जाने से उनकी संस्थाओं से विदेशी फंड मिलना मुश्किल हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर देश में कुकुरमुत्तों की तरह उगने वाले एनजीओ भी इस बिल की मुखालफत कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि विदेशी अंशदान (विनियमन) विधेयक पहले ही संसद में पारित हो चुका है। अब इसमें सरकार संसोधन करने जा रही है जिसके मुताबिक अब विदेशी फंडिंग का हिसाब देना होगा।विदेशों से मिलने वाली सारी फंडिंग नई दिल्ली स्थित एक ही एसबीआई बैंक में आएगी। इस बिल में किये गये संसोधन में यह भी शामिल है कि अब ऐसे एनजीओं जिन्हें विदेशी फंड मिलता है वे सिर्फ उस फंड का 20 प्रतिशत हिस्सा ही पर्सनल खर्च कर पाएंगे। जबकि पहले वे फंड का पचास प्रतिशत हिस्सा पर्सनल खर्च करते थे और इसी में सारा गोलमाल होता था। इस संसोधन का ही एनजीओ पुरजोर विरोध कर रहे हैं। उन्हें इस बात पर भी आपर्ति है कि सरकार ने अनियमितताओं के आरोप में जिन एनजीओ का लाइसेन्स रद्द कर दिया है या आगे चलकर रद्द करेगी। उनकी संपत्ति भी सरकार के पास चली जाएगी।कुल मिलाकर अब असानी से विदेशी फंडिंग नहीं आ पाएगी और जिन संस्थाओं को विदेशी फंड मिलेगा अब उन्हें उसके पाई पाई का हिसाब देना पड़ेगा। कोई भी संस्था इसमें गोलमाल नहीं कर पाएगी। यही वजह है कि इसाई समुदाय और एनजीओ एफसीआरए बिल का विरोध कर रहे हैं। भारत में विभिन्न संस्थाओं को फंड देकर अपना एजेंडा चलाने वाले अमेरिका, इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसे देश भी इसका विरोध कर रहे हैं। सरकार की मंसा है कि विदेशी फंड जो देश विरोधी ताकतों का हथियार बना हुआ था उसकी धार को कुंद किया जाये। खासतौर पर इसाई मिसनरियों की फंडिंग में कमी लगाई जाये और उसमें पारदर्शिता लाई जाये। उल्लेखनीय है कि मिसनरियों पर लंबे समय से भारत में धर्मांतरण करने का आरोप लगता रहा है। खासतौर पर आदिवासी बहुल क्षेत्रों में मिसनरियां ज्यादा सक्रिय रहती है और इनसे जुड़े लोग गरीब आदिवासियों से पैसों का लालच देकर या अन्य सुविचार्य मुद्देया कराकर उनका धर्मांतरण कराते रहे हैं। यही वजह है कि वे इस बिल का ज्यादा विरोध कर रही हैं।

राजद में संगठनात्मक बदलाव

बिहार की प्रमुख विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने राजद में संगठनात्मक बदलाव की शुरुआत कर दी है। उन्होंने बिहार के राजद संगठन की सभी इकाईयों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है अब वे नये सिरे से संगठन में पदाधिकारियों की नियुक्ति करेंगे। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में राजद का प्रथान बेहद शर्मनाक रहा है। उसे सिर्फ पच्चीस सीटें ही मिल पाई थीं। जिसके चलते तेजस्वी यादव ले दे कर नेता प्रतिपक्ष बन पाये हैं। यदि उनके खेमे का एक विधायक भी टूट जाता है तो वे नेता प्रतिपक्ष नहीं रह पाएंगे। पार्टी में असंतोष भी उभरने लगा है और अब तो बांकीपूर सीट से प्रशांत किशोर के जीत जाने के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का भी विधानसभा में तेज कम हो सकता है। प्रखर वक्ता और चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के सामने विधानसभा में नब्बी पास तेजस्वी यादव कही नहीं टिक पाएंगे। ऐसे में उन्हें अब अपनी बची खुची पार्टी के कमजोर पड़ने का खतरा नजर आने लगा है। ऐसे में उन्हें अब संगठन की चिंता सता रही है और अब वे इसे मजबूत करने की कवायद में लग गये हैं। तेजस्वी यादव की पहले ही मुश्किलें बढ़ी हुई हैं। उनकी बहन राहिणी आचार्य पहले ही पार्टी से नाता तोड़ चुकी हैं। वहीं उनके बड़े भाई तेजप्रताप यादव ने भी राष्ट्रीय जनता दल से किनारा करके अपनी अलग क्षेत्रीय पार्टी बना ली है। राष्ट्रीय जनता दल के संस्थापक लालू यादव वझराज हो गये हैं और अस्वस्थ रहने लगे हैं। इस वजह से भी राजद पर लालू परिवार की पकड़ कमजोर पड़ती जा रही है। ऊपर से लालू प्रसाद यादव, राबड़ी, देवी, मीसा भारती और तेजस्वी यादव पर विभिन्न मुकदमों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में पार्टी को एकजुट रखना उनके लिए बड़ी चुनौती बन गया है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1509 : विजय नगर सम्राज्य के सम्राट के रूप में महाराज कृष्णदेव राय की ताजपोशी। 1549 : फ़्रांस ने इंग्लैंड के खिलाफ युद्ध की घोषणा की। 1609 : वेनिस की सीनेट ने गैलिलियो द्वारा तैयार दूरबीन का निरीक्षण किया। 1763 : वर्षों के संघर्ष के बाद अंततः कनाडा फ्रांस के अधिकार से स्वतंत्र हुआ। 1864 : जिनेवा में रेड क्रॉस की स्थापना। 1876 : थॉमस अल्वा एडिसन ने मिमियोग्राफ का पेटेंट करया। 1899 : ए.टी. मार्शल ने रेफ्रिजरेटर का पेटेंट करया। 1900 : बोस्टन में पहली डेविस कप श्रृंखला की शुरुआत। 1908 :शास्त्रीय संगीत गायिका सिद्धेश्वरी देवी का जन्म। 1919 : ब्रिटेन ने अफ़ानिस्तान की आजादी को मंजूरी दी। 1942 : महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की। 1947 : पाकिस्तान ने अपने राष्ट्रीय ध्वजा को मंजूरी दी। 1988 : अफ़गानिस्तान में 9 साल के युद्ध के बाद रूसी सेना की वापसी शुरू हुई. 1988 : आठ वर्ष तक चले संघर्ष के बाद ईरान और इराक के बीच युद्धविराम की घोषणा।

राशि फल



पं. देवव्रत शर्मा

करेंगे। रात्रि के समय उत्तम भोजन सुख मिलेगा।

वृष: आज के दिन आप का मन आवश्यकता से अधिक चंचल रहेगा। मित्र मित्रों में लंबी-लंबी डींगें हांकने पर हंसी के पात्र बनेंगे। अपनी उम्र से बड़े लोगों के सामने विवेक से पेश आएँ अन्यथा मानसनि अस्थय हो कर रहेगी।

मिथुन: आज के दिन आपको विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। दिन के आरंभ में जिन लोगों से आर्थिक अथवा अन्य प्रकार की मदद का आश्वासन

मिलेगा।

कर्क: आज के दिन आप सार्वजनिक क्षेत्र पर बेहतर प्रदर्शन कर प्रशंसा के पात्र बनेंगे। जटिल कार्यों को भी आपने व्यवहार कुशलता से आसान बनाएंगे।

सिंह: आज का दिन आपके लिए कार्य सफलता वाला रहेगा। आप दिन के प्रथम भाग के बाद पूर्वयोजित योजनाओं में सफलता मिलने से उत्साहित रहेंगे।

कन्या: आज के दिन आप की धार्मिक भावनाओं में वृद्धि होगी। अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर पूजा पाठ आदि धार्मिक कृत्यों एवं परोपकार में लगेंगे।

तुला: आज के दिन प्रातः काल से ही सेहत में नरमी बनेगी। असंयमित खान-पान अथवा आप के कारण पेट दर्द के साथ शारीरिक अंगों में शिथिलता अनुभव करेंगे। **वृश्चिक**: आज का दिन भी आपके लिए बेहतर रहने वाला है लेकिन आज आलस्य

अगस्त क्रांति: जब जनता बनी नेतृत्व और साम्राज्य हुआ बेबस



योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान भारत की राजनीतिक स्थिति अत्यंत जटिल हो गई थी। ब्रिटिश सरकार ने भारत को बिना उसकी सहमति के युद्ध में झोंक दिया था, जिससे भारतीय नेताओं और जनता में व्यापक असंतोष फैल गया। इसी बीच, 1942 में ‘क्रिप्स मिशन’ भारत आया, जिसने युद्ध के बाद भारत को डोमिनियन स्टेट्स देने का प्रस्ताव रखा लेकिन यह प्रस्ताव अस्पष्ट और अधूरा था। भारतीय नेताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि इसमें तत्काल स्वतंत्रता की कोई स्पष्ट गारंटी नहीं थी। इस असफलता ने आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार की।

8 अगस्त 1942 को बॉम्बे (अब मुंबई) के गोवालिया टैंक मैदान, जिसे आज ‘अगस्त क्रांति मैदान’ के नाम से जाना जाता है, में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का ऐतिहासिक अधिवेशन हुआ। इसी अधिवेशन में ‘भारत छोड़ो’ प्रस्ताव पारित किया गया। महात्मा गांधी ने इस अवसर पर अपने प्रसिद्ध ‘करो या मरो’ के नारे के साथ देशवासियों को स्वतंत्रता के लिए अंतिम संघर्ष के लिए प्रेरित किया। यह नारा केवल एक आह्वान नहीं था बल्कि यह उस समय के भारत के आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक बन गया। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह एक पूर्ण जन-आंदोलन बन गया था। 9 अगस्त 1942 की सुबह ही गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अंग्रेजों का उद्देश्य था कि नेतृत्व को खत्म कर आंदोलन को दबा दिया जाए लेकिन इसका उल्टा प्रभाव हुआ। नेताओं की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और अधिक उठा और व्यापक हो गया। देश के विभिन्न हिस्सों में जनता

भारत छोड़ो आंदोलन, जिसे ‘अगस्त क्रांति’ के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक ऐसे निर्णायक मोड़ का प्रतीक है, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव को गहराई से हिला दिया था। यह केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं था बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता के प्रति अटूट इच्छा, आत्मबल और त्याग की पराकाष्ठा का साक्ष्य उदाहरण था। हर वर्ष 8 अगस्त को ‘भारत छोड़ो आंदोलन दिवस’ के रूप में मनाया जाता है, जो हमें उस ऐतिहासिक संघर्ष की याद दिलाता है, जब पूरा देश एक स्वर में ब्रिटिश शासन के खिलाफ खड़ा हो गया था।



स्वतः सड़कों पर उतर आईं। छात्रों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में इस आंदोलन में भाग लिया।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कई स्थानों पर हिंसक घटनाएं भी हुईं। रेलवे लाइनों को नुकसान पहुंचाया गया, टेलीफोन और तार सेवाएं बाधित की गईं और सरकारी इमारतों पर हमले किए गए। हालांकि महात्मा गांधी का आंदोलन अहिंसात्मक था लेकिन जनता के भीतर दबी हुई आक्रोश की भावना कई स्थानों पर उग्र रूप में सामने आई। ब्रिटिश सरकार ने भी इस आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए। पुलिस और सेना ने बल प्रयोग किया, हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई स्थानों पर गोलीबारी हुई, जिसमें सैकड़ों लोग शहीद हो गए। इस आंदोलन में महिलाओं की भूमिका भी नहीं सकती। इस महत्वपूर्ण रही। अरुणा आसफ अली, उषा मेहता,

सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिलाओं ने न केवल आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई बल्कि नेतृत्व भी किया। उषा मेहता ने ‘कांग्रेस रेडियो’ के माध्यम से आंदोलन की जानकारी और संदेश पूरे देश में पहुंचाए। यह दर्शाता है कि यह आंदोलन केवल पुरुषों तक सीमित नहीं था बल्कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी थी।

भारत छोड़ो आंदोलन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि इसने ब्रिटिश शासन को यह अहसास करा दिया कि अब भारत पर शासन करना संभव नहीं है। यह आंदोलन भले ही तत्काल स्वतंत्रता नहीं दिला सका लेकिन इसने अंग्रेजों की प्रशासनिक और मानसिक पकड़ को कमजोर कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने यह समझ लिया कि भारत में उनका शासन लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इस आंदोलन का प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देखा गया।

जीआई टैग: वैश्विक ब्रांडों में पारंपरिक संपदा की वृद्धि



बावजूद, कई प्रामाणिक बनारसी साड़ियां अक्सर अपने वास्तविक मूल्य से बहुत कम कीमतों पर बेची जाती हैं। खरीदार हमेशा हाथ से बुनी हुई असली साड़ी को अन्य नकलों से अलग करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। यह वह जगह है जहां दो शब्द यानी जीआई टैग (भौगोलिक संकेत) सभी अंतर बनाते हैं। एक जीआई टैग प्रमाणित करता है कि साड़ी वास्तव में बनारस में पारंपरिक तरीकों का उपयोग करके बनाई गई है। यह खरीदारों को इसकी प्रामाणिकता, गुणवत्ता और सांस्कृतिक विरासत का आश्वासन देता है। परिणामस्वरूप, प्रामाणिक बनारसी साड़ी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में काफी अधिक कीमत प्राप्त कर सकती है। यह सुनिश्चित करता है कि बुनकर को उनकी शिल्प कौशल के लिए अधिक मान्यता और बेहतर आर्थिक लाभ मिले।

भारतीय परंपरा, अर्थव्यवस्था, स्थिरता में जीआई वस्तुओं का महत्व

जीआई टैग कारीगर शिल्प के लिए प्रामाणिकता



की मुहर के रूप में कार्य करता है, उन्हें नकल, दुरुपयोग और अनधिकृत व्यावसायीकरण से बचाता है। हालांकि, इसका महत्व कानूनी सुरक्षा से कहीं आगे तक फैला हुआ है। उदाहरण के लिए, चत्रापटना के खिलौनों को 2006 में जीआई मान्यता मिली। ये मान्यता सिर्फ कर्नाटक के चत्रापटना क्षेत्र में बने लकड़ी के खिलौनों पर ही लागू होती है। खिलौनों का उत्पादन क्षेत्र की विशिष्ट लाह कला का उपयोग करके किया जाना चाहिए। हालांकि यह एक सरल प्रमाणन प्रतीत हो सकता है, टैग दूरगामी लाभ प्रदान कर सकता है। एक जीआई टैग एक लेबल से कहीं अधिक है। वक्त्र मंत्रालय के अनुसार, यह ग्रामीण कारीगरों की आय को 20-30 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है।

किसी उत्पाद की उत्पत्ति और अनूठी विरासत को प्रमाणित करके, जीआई टैग खरीदारों के बीच विश्वास पैदा करते हैं और उत्पाद की बाजार अपील को बढ़ाते हैं। जैसे-जैसे उपभोक्ता तेजी से प्रामाणिकता, परंपरा

पाठकों की बात



चले जाएंगे तुमको शमा कर के हम अपना दर्द दिल आबाद कर के कोई ए 'काश' होता यूँ हमारा जो अश्कों को बहाता याद कर के जो तेरा हज़्र है उसको छीन कर ले मिलेगा कुछ नहीं फ़रियाद कर के उन्हीं राहों पे हम भी चल रहे हैं गया ईजाद जो फ़रहाद कर के तुम्हरी बात न टालेंगे हम भी कभी देखो तो तुम इशारा कर के मुहब्बत में तरक्की तुमने पाई 'जफ़्फ़ाओं में अदा ईजाद' कर के सितमगर को कोई जा कर बता दे 'कमल' को क्या मिला बरबाद कर के।

- रूबी झा 'कमल'



हिज़ की रात सिसक रही थी चॉंदनी,,,सुलग रहें थें जज्बात वह अमावस की नहीं,वह थी पूर्णिमा की रात सितारे भी गुमज़दा थे और आसमॉं भी चुप था हवा थी थमी हुई,किससे कहते दिल की बात।

- रामकिशोर उपाध्याय



सुन-सुन भैया रिक्शा वाले, रिक्शा थोड़ी तेज चला ले। मेरा विद्यालय है दूर, जाना होता मगर जरूर। अगर नहीं मैं जाऊँगा, कैसे पढ़-लिख पाऊँगा। जग में है जितने ईंसान, पढ़-लिखकर ही बने महान। मैं भी पढ़-लिख जाऊँगा, ज्ञानवान कहलाऊँगा।।

- भाऊराव महंत



कोई मुझ से पूछे जिन्दगी कैसी लगी। हरफन मुझे जिन्दगी सजा जैसी लगी। फिर भी मैं मुक्कुराती रहती हूँ हरदम; मुझको जीने की वजह भी ऐसी लगी।

- पूजा 'बहार'



खिड़की खुली रहने दो मत बंद करो हर खिड़की को। कुछ हवाएँ बिना बुलाए भी अच्छी लगती हैं। कुछ लोग भी। हमसारे आने के बाद मैंने सीखा, कि प्रेम अधिकार नहीं, विश्वास है। वह खुली खिड़की है, जहाँ से रोशनी भी आती है और ताज़ी हवा भी। जिसे बाँधने की कोशिश करो, तो वह प्रेम नहीं रहता।

- रेनु 'शब्दमुख'



आदमी पे हसरतों की मार है दिल के हाथों हर कोई बीमार है। हो थरोसा नींव गर परिवार की बीच में उठती नहीं दीवार है। दिल जमाने में बिके बेमोल हो तन के रिशतों का लगा बाजार है। नाज से पाला बहुत माँ ने जिसे आज बेटे ने दिया दुक्कार है। आज वो बूढ़ी हुई लाचार है माँ है आँखों में दुआ है प्यार है। हैं कहीं मन्दिर कई मस्जिद बहुत ना खुदा मजहब मगर तकरार है। ये जमाने की खायत है 'तनुज' हर कदम अपनों से मिलती हार है।

- सतीश मैथिल तनुज

पहेली



न्यूज गैलरी

खुद को गुंडा बताया, फिर तलवार से वार

जबलपुर/नवप्रदेश। रांझी थाना क्षेत्र में चाय पीने जा रहे दो छात्रों पर बदमाशों ने हमला कर दिया। पीड़ित हिमांशु कुचबधिया ने बताया कि दो युवक बाइक से आए और खुद को इलाके का गुंडा बताते हुए शराब पीने के लिए एक हजार रुपये मांगने लगे। विरोध करने पर एक आरोपी ने तलवारनुमा हथियार से हिमांशु के सिर पर वार कर दिया, जबकि दूसरे ने उसके साथी शौर्यजीत पर पत्थर से हमला कर घायल कर दिया।वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। रांझी पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

शराब के पैसे नहीं दिए, चाकू से हमला

जबलपुर/नवप्रदेश। बेलबाग थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपये मांगने से इनकार करना एक युवक को भारी पड़ गया। पीड़ित समीर सोनकर ने पुलिस को बताया कि बीजासन माता मंदिर से लौटते समय आरोपी अतुल ठाकुर ने उससे 500 रुपये मांगे। मना करने पर गाली-गलौज करते हुए चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके हाथ की उंगली घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं तथा एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गरिमा अभियान में मनचलों पर शिकंजा

जबलपुर/नवप्रदेश। महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे गरिमा अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अनु बेनिवाल ने स्वयं स्कूलों और कॉलेजों के आसपास पहुंचकर कार्रवाई की। अभियान के दौरान स्कूलों के आसपास बेवजह घूम रहे मनचलों तथा बिना हेलमेट और बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों पर कार्रवाई की गई। इस दौरान एएसपी ने छात्राओं से संवाद कर उन्हें भरोसा दिलाया कि ऐंड्रइड या किसी भी तरह की परेशानी होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें। पुलिस अधीक्षक सम्मत उपाध्याय ने कहा कि बेटियों बिना किसी भय के स्कूल, कॉचिंग और अन्य स्थानों पर जाएं, उनकी सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है।

134 मोबाइल मालिकों के चेहरे खिले

जबलपुर/नवप्रदेश। जबलपुर पुलिस ने गुप्त हुए मोबाइल तलाशने के अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 134 मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंप दिए। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 23 लाख रुपये बताई गई है। मोबाइलों को सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से ट्रेस किया गया। पुलिस अधीक्षक सम्मत उपाध्याय ने नागरिकों से अपील की कि मोबाइल गुप्त होने पर तत्काल संबंधित थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के साथ सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत करें। वहीं साइबर ठगी की स्थिति में राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 या साइबर सेल जबलपुर के हेल्पलाइन नंबर 7701050010 पर तुरंत सूचना दें। पुलिस ने निवेश के नाम पर ठगी, क्लटसप एपीके फाइल डाउनलोड करने और बैंक संबंधी जानकारी साझा करने से बचने की सलाह भी दी।

डॉ.एच. पी. तिवारी भोजशाला प्रकरण की सुनवाई हेतु पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

जबलपुर/नवप्रदेश। धार के बहुचर्चित भोजशाला बनाम कमाल मौला मस्जिद प्रकरण की सुनवाई हेतु जबलपुर निवासी याचिका कर्ता डॉ.एच.पी. तिवारी हिंदुत्व के मामलों में प्रख्यात के साथ पक्ष रखने वाले अपने विद्वान अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के साथ उच्चतम न्यायालय गई दिल्ली पहुंचे। डॉ.तिवारी ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ द्वारा अपने 15 मई 2026 के निर्णय में भोजशाला को हिंदू मंदिर और प्राचीन संस्कृत शिक्षा केंद्र घोषित किए जाने के बाद वहां पर नमाज बंद होकर सूर्योदय से सूर्यास्त तक मां वादेवी की अखंड पूजा जारी है। इस बीच इस फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष द्वारा उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर किए जाने के बाद उच्चतम न्यायालय के समक्ष भी अपना पक्ष रखने हेतु सुप्रीम कोर्ट के अपने हिंदूवादी अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के साथ नई दिल्ली स्थित उच्चतम न्यायालय पहुंचे हैं। जहां पर तथ्यों के साथ बड़ी मजबूती के साथ अपना पक्ष रखा जाएगा। डॉ.तिवारी ने कहा कि उन्हें दृढ़ विश्वास है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा भी उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा जाएगा

बीएसी एवं जनशिक्षकों की काउंसलिंग

जबलपुर/नवप्रदेश। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार जिले में रिक्त बीएसी एवं जनशिक्षकों के पदों के लिए आज जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में काउंसलिंग आयोजित की गई।

जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र योगेश शर्मा ने बताया कि जिले में बीएसी एवं जनशिक्षकों के कुल 66 रिक्त पदों के लिए 65 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें बीएसी के 26 रिक्त पदों के विरुद्ध काउंसलिंग के माध्यम से 15 पात्र शिक्षकों ने रिक्त पदों का चयन किया। इसी प्रकार जनशिक्षकों



के 40 रिक्त पदों के लिए काउंसलिंग के माध्यम से 17 पात्र शिक्षकों ने रिक्त स्थानों का चयन किया। इस प्रकार कुल 66 रिक्त पदों में से 32 पात्र शिक्षकों ने बीएसी एवं जनशिक्षकों के रिक्त पदों का चयन किया। जिला परियोजना समन्वयक ने बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार प्रत्येक विकासखंड में विषयवार 5 बीएसी तथा प्रत्येक जनशिक्षा केंद्र में 2 जनशिक्षकों के पद निर्धारित हैं।

इन पदों के लिए उच्च श्रेणी शिक्षक या माध्यमिक शिक्षक होना, आयु 52 वर्ष से अधिक न होना तथा संबंधित शिक्षक के विरुद्ध विभागीय जांच, आपराधिक प्रकरण अथवा लंबे समय तक अनुपस्थित रहने की शिकायत नहीं होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि शेष रिक्त पदों के लिए पात्र शिक्षकों की पुनः काउंसलिंग कराई जाएगी, जिसकी सूचना पृथक से दी जाएगी।

जबलपुर

फेडरेशन ऑफ मप्र चेंबर ने उठाई मांग

बंद पड़ी फैक्ट्री को बनाया जाए टेलीकॉम हब

जबलपुर/नवप्रदेश।

शहर की ऐतिहासिक टेलीकॉम फैक्ट्री की भूमि और उपलब्ध औद्योगिक अधोसंरचना का उपयोग आधुनिक टेलीकॉम, सेमीकंडक्टर चिप निर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में किए जाने की मांग उठी है।

फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चैंबरस ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष हिमांशु खरे ने केंद्र और राज्य सरकार से इस दिशा में ठोस पहल करने का आग्रह किया है। हिमांशु खरे ने कहा कि केंद्र सरकार मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों के माध्यम से स्वदेशी इलेक्ट्रॉनिक्स और



टेलीकॉम उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा दे रही है। ऐसे में जबलपुर की बंद पड़ी टेलीकॉम फैक्ट्री का पुनरुद्धार कर इसे आधुनिक टेलीकॉम क्लस्टर के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यहां 5जी और 6जी नेटवर्क से जुड़े उपकरण, राउटर, स्विच, ट्रांसमिशन सिस्टम, ऑप्टिकल फाइबर केबल, फाइबर टर्मिनेशन और अन्य नेटवर्किंग उपकरणों के निर्माण एवं परीक्षण की इकाइयां स्थापित की जा

सकती है। साथ ही भविष्य की संचार तकनीकों, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नेटवर्क तथा स्मार्ट कम्युनिकेशन सिस्टम के लिए अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) केंद्र भी विकसित किए जा सकते हैं। खरे ने कहा कि जबलपुर की मजबूत रक्षा औद्योगिक पृष्ठभूमि को देखते हुए यहां डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स, सर्विलांस उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स

वरिष्ठ नागरिक परिषद की सौजन्य बैठक

जबलपुर/नवप्रदेश।

वरिष्ठ नागरिक परिषद की सौजन्य बैठक में परिषद के संरक्षक एवं वरिष्ठ पार्षद कमलेश अग्रवाल तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष काजल विश्वास का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया।



बैठक में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, उनके अधिकारों की सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। इस अवसर पर काजल विश्वास ने वरिष्ठ नागरिकों के हित में परिषद के साथ निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त

किया। वहीं कमलेश अग्रवाल ने निरुद्ध भविष्य में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित करने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन अनिल शुक्ला ने तथा आभार गुरुमुखदास ने व्यक्त किया।

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने संजीवनी नगर थाना घेरा, सड़क जाम किया

ऑपरेशन गरिमा में युवक पर पुलिस की कार्रवाई रास नहीं आयी



जबलपुर/नवप्रदेश।

जबलपुर पुलिस द्वारा महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन गरिमा' के तहत चल रहे अभियान में संजीवनी नगर थाना पुलिस द्वारा एक युवक को पकड़ा जाना बजरंग दल के कतिपय कार्यकर्ताओं को शुकुवार को रास नहीं आया और उन्होंने कार्रवाई के विरोध में न केवल संजीवनी नगर थाना घेरा लिया वरन मुख्य मार्ग को भी जाम कर दिया। पुलिस ने अभियान के दौरान गद्दा थाना क्षेत्र निवासी अजय कोस्टा के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की थी और इसी

मामले को लेकर उसके समर्थन में बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने पहुंच गए और प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार हाल ही में शहरभर में स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों पर मनचलों एवं सौदिध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान पुलिस ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए अजय कोष्टा को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई की। पुलिस की इस कार्रवाई के विरोध में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का एक समूह संजीवनी

नगर थाना जा पहुंचा। बताया जाता है कि यहां आरोपी को छोड़ने की मांग को लेकर पहले थाने का घेराव किया गया और बाद में मुख्य सड़क पर चक्का जाम कर दिया गया। इस दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आम नागरिक, स्कूली बच्चे, मरीज तथा कार्यालय जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही गोरखपुर संभाग के सीएसपी महादेव नागोतिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को नियंत्रित किया,

प्रदर्शनकारियों से बातचीत की और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की समझाइश दी। काफी देर तक चली समझाइश के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ और पुलिस ने यातायात को पुनः सुचारु कराया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि 'ऑपरेशन गरिमा' किसी व्यक्ति या संगठन के खिलाफ नहीं, बल्कि महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चलाया जा रहा अभियान है। अभियान के दौरान कानून के अनुसार कार्रवाई की जा रही है और किसी भी प्रकार के दबाव में पुलिस अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटेगी।

पहले चरण की मतगणना पूरी, राकेश सिंह भदौरिया ने कोटा पार कर दर्ज की जीत

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव

जबलपुर/नवप्रदेश।

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव-2026 की मतगणना के प्रथम चरण का कार्य पूर्ण हो गया है। हाई पावर्ड इलेक्शन कमेटी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कुल वैध मतों के आधार पर 2,48,392 मत-मूल्य का कोटा निर्धारित किया गया था।

इस कोटा को केवल एक प्रत्याशी रकेश सिंह भदौरिया ने पार किया, जिन्हें 3,31,400 मत-मूल्य प्राप्त हुए। इसके साथ ही उन्हें अनौपचारिक रूप से निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। निर्वाचन अधिकारी न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एस.के. पालो द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, श्री भदौरिया के निर्वाचित होने के बाद उनके सरप्लस वैल्यू का हस्तांतरण मतपत्रों

पर अंकित द्वितीय वरीयता वाले प्रत्याशियों को नियमानुसार किया गया। निर्धारित गणना के अनुसार सरप्लस वैल्यू 25 रही। श्री भदौरिया को प्रथम वरीयता के 80 मतपत्र प्राप्त हुए थे, जिनके आधार पर द्वितीय वरीयता वाले प्रत्याशियों को 25 मत-मूल्य के अनुपात में हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी की गई।

इसके बाद एलिमिनेशन राउंड की मतगणना शुरू हुई, जिसमें प्रत्याशी क्रमांक 95 रेखा बोरीवाल (इंदौर) एवं प्रत्याशी क्रमांक 17 अरुण सिंह (रीवा) का एलिमिनेशन किया गया। उनके मतपत्रों पर अंकित द्वितीय वरीयता के आधार पर मतों का हस्तांतरण किया गया। सरप्लस वैल्यू हस्तांतरण एवं दो प्रत्याशियों के एलिमिनेशन के बाद पुरुष प्रत्याशियों में राकेश सिंह भदौरिया, विवेक सिंह, आर.के. सिंह सैनी, नरेंद्र कुमार जैन और जय हाड़िया को बढ़त मिली। वहीं महिला प्रत्याशियों में प्रवीण तिवारी, अनु पटेल, प्रतीका पाठक, रेशम त्रिभु जैन और प्रतिमा वालिया बढ़त पर हैं। चुनाव की शेष मतगणना आगामी चरणों में जारी रहेगी।

दुष्कर्म और गर्भपात के मामले में भोपाल पुलिस कमिश्नर 3 दिन में कार्रवाई करें

पीड़िता की याचिका पर हाईकोर्ट के निर्देश

जबलपुर/नवप्रदेश।

मप्र उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने शदी का झांसा देकर दुष्कर्म, जबरन गर्भपात, मारपीत और धमकी के आरोपों से संबंधित शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं किए जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले में भोपाल पुलिस कमिश्नर को तीन दिन के भीतर विधि अनुसार कार्रवाई कर उचित निर्णय लेने के निर्देश



दिए हैं। अपने आदेश में एकलपीठ ने कहा कि पीड़िता की शिकायत पर सक्षम अधिकारी कानून के अनुसार कार्रवाई करें और निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्णय लें। उच्च न्यायालय में दायर याचिका में पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसने 10

जुलाई 2026 को भोपाल के कमला नगर थाना में राजपाल अहिलार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप था कि आरोपी ने शदी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया और बाद में जबरन गर्भपात भी कराया। पीड़िता का आरोप है कि पुलिस ने प्रकरण में एफआईआर दर्ज करने के बजाय उसे ही धमकाया कि यदि वह मामला दर्ज करने पर जोर देगी तो उसके खिलाफ हनी ट्रैप का मामला दर्ज कर दिया जाएगा। याचिका में यह भी कहा गया कि

पुलिस ने आरोपी को बचाने का प्रयास किया और शिकायतकर्ता पर दबाव बनाया। इसके बाद पीड़िता ने भोपाल पुलिस कमिश्नर से भी शिकायत की, लेकिन वहां से भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। उच्च न्यायालय में दायर याचिका में तत्कालीन थाना प्रभारी रूपा पांडे, उपनिरीक्षक सैतेंद्र राजवात तथा महिला प्रधान आरक्षक डॉली चौरसिया के विरुद्ध विभागीय जांच और आसार्थिक कार्रवाई के निर्देश देने की मांग की गई थी।

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव

पहले चरण की मतगणना पूरी, राकेश सिंह भदौरिया ने कोटा पार कर दर्ज की जीत

जबलपुर/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव-2026 की मतगणना के प्रथम चरण का कार्य पूर्ण हो गया है। हाई पावर्ड इलेक्शन कमेटी

द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कुल वैध मतों के आधार पर 2,48,392 मत-मूल्य का कोटा निर्धारित किया गया था। इस कोटा को केवल एक प्रत्याशी रकेश सिंह भदौरिया ने पार किया, जिन्हें 3,31,400 मत-मूल्य प्राप्त हुए। इसके साथ ही उन्हें अनौपचारिक रूप से निर्वाचित घोषित कर दिया गया है।

निर्वाचन अधिकारी न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एस.के. पालो द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, श्री भदौरिया के निर्वाचित होने के बाद उनके सरप्लस वैल्यू का हस्तांतरण मतपत्रों पर अंकित द्वितीय वरीयता वाले प्रत्याशियों को नियमानुसार किया गया। निर्धारित गणना के अनुसार सरप्लस वैल्यू 25 रही। श्री भदौरिया को प्रथम वरीयता के 80 मतपत्र प्राप्त हुए थे, जिनके आधार पर द्वितीय वरीयता वाले प्रत्याशियों को 25 मत-मूल्य के अनुपात में हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद एलिमिनेशन राउंड की मतगणना शुरू हुई, जिसमें प्रत्याशी क्रमांक 95 रेखा बोरीवाल (इंदौर) एवं प्रत्याशी क्रमांक 17 अरुण सिंह (रीवा) का एलिमिनेशन किया गया। उनके मतपत्रों पर अंकित द्वितीय वरीयता के आधार पर मतों का हस्तांतरण किया गया।

सरप्लस वैल्यू हस्तांतरण एवं दो प्रत्याशियों के एलिमिनेशन के बाद पुरुष प्रत्याशियों में राकेश सिंह भदौरिया, विवेक सिंह, आर.के. सिंह सैनी, नरेंद्र कुमार जैन और जय हाड़िया को बढ़त मिली।

वहीं महिला प्रत्याशियों में प्रवीण तिवारी, अनु पटेल, प्रतीका पाठक, रेशम त्रिभु जैन और प्रतिमा वालिया बढ़त पर हैं। चुनाव की शेष मतगणना आगामी चरणों में जारी रहेगी।



असम में बाढ़ से 15 जिलों के 1.68 लाख लोग प्रभावित, 133 राहत शिविर संचालित



दिसपुर। असम में बाढ़ की स्थिति गुरुवार को भी गंभीर बनी हुई है। राज्य के 15 जिले अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। हालांकि अधिकारियों

के मुताबिक सिर्फ एक नदी ही खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार

नुमालीगढ़ में धनसिरी दक्षिण नदी खतरे के निशान से ऊपर है। वहीं कोई भी नदी सर्वाधिक बाढ़ स्तर से

ऊपर नहीं बह रही है। नवीनतम बाढ़ बुलेटिन के अनुसार 39 राजस्व सर्किलों के 481 गांवों में 1,68,701 लोग प्रभावित हैं। लगभग 14,382.26 हेक्टेयर फसल क्षेत्र जलमग्न है जिससे कई जिलों में लोगों की आजीविका प्रभावित हुई है।

बाढ़ में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। गोलाघाट और उदलगुरी जिले में एक-एक व्यक्ति की जान गई है। फ्लिहाल किसी के लापता होने की सूचना नहीं है।

राहत शिविर और सहायता सामग्री का वितरण

राज्य सरकार ने प्रभावित जिलों में 133 राहत शिविर और वितरण केंद्र संचालित किए हैं। राहत शिविरों में अभी 10,111 लोग शरण लिए हुए हैं जबकि 35,596 लोगों को वितरण केंद्रों के माध्यम से सहायता दी जा रही है। राहत सामग्री में 616 क्विंटल से अधिक चावल, लगभग 110 क्विंटल दाल, खाद्य तेल, पशु आहार और अन्य आवश्यक सामान शामिल हैं जिनका वितरण किया गया है।



सबसे ज्यादा प्रभावित जिले और फसल नुकसान

सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में गोलाघाट, शिवसागर, जोरहाट, चराईदेव, लखीमपुर, नगांव, दरंग और विश्वनाथ शामिल हैं। गोलाघाट में सबसे अधिक 54,085 लोग प्रभावित हुए हैं। इसके बाद शिवसागर में 49,515, जोरहाट में 27,842 और चराईदेव में 21,486 लोग प्रभावित हैं। शिवसागर, जोरहाट, लखीमपुर और चराईदेव में फसलों को भी व्यापक नुकसान पहुंचा है।

आपदा से 41,475 पशु भी प्रभावित हुए हैं। साथ ही 365 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं जिनमें 40 पूरी तरह और 325 आंशिक रूप से

क्षतिग्रस्त हैं। बचाव कार्यों के लिए 93 टीमें और 151 नावें तैनात की गई हैं। नावों से अब तक चार लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।

नारायण साई की उम्रकैद पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम के बेटे नारायण साई को 2013 के दुर्कर्म मामले में मिली उम्रकैद की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि, अदालत ने गुजरात हाईकोर्ट से कहा कि वह साई की दोषसिद्धि के खिलाफ लंबित अपील का निपटारा तीन महीने के भीतर करने का प्रयास करे। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने कहा, 'हम हाईकोर्ट से अनुरोध करते हैं कि वह तीन महीने के भीतर अपील का



निपटारा करने का प्रयास करे। हम यह भी स्पष्ट करते हैं कि याचिकाकर्ता और राज्य सरकार दोनों इस प्रक्रिया में पूरा सहयोग करेंगे।' नारायण साई की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एन. हरिहरन ने अदालत को बताया कि शीघ्र सुनवाई के लिए आवेदन देने के बावजूद उसकी अपील पर अब तक सुनवाई शुरू नहीं हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने नारायण साई को यह स्वतंत्रता भी दी कि यदि उसकी अपील का निपटारा तीन महीने के भीतर नहीं होता है, तो वह दोबारा सर्वोच्च अदालत का रुख कर सकता है।

स्वतंत्रता सेनानियों ने गोली खाई आप अंडों से डरती हैं : सुको

■महुआ मोइत्रा को सुप्रीम कोर्ट की दो-दूक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा की उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने पुलिस के सामने व्यक्तिगत रूप से पेश होने के बजाय वरुंचली पृच्छाछ की अनुमति मांगी थी। अदालत ने साफ कहा कि जांच का सामना करना होगा और केवल सांसद होने के आधार पर विशेष छूट नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति दीपाकर दत्ता और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ के सामने महुआ मोइत्रा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल



शंकरनारायणन ने दलील दी कि उनकी मुवाकिल जांच में सहयोग करने को तैयार हैं, लेकिन उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पृच्छाछ की अनुमति दी जाए। वकील ने कहा कि पिछली बार जब महुआ मोइत्रा अपने निर्वाचन क्षेत्र के पुलिस थाने गई थीं, तब उनके खिलाफ विरोध हुआ था और उन पर अंडे भी फेंके गए थे। इसलिए उनकी सुरक्षा को देखते हुए वरुंचली उपस्थिति की अनुमति दी जानी चाहिए।

बातचीत के लिए तैयार हेमंत सरकार



रांची। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि सरकार छात्रों से बातचीत के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार ने संवाद का एक माध्यम पहले ही तय कर रखा है और वह प्रत्येक छात्र की समस्याओं को समझना चाहती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कोशिश है कि छात्रों की

रांची में नेहा बोरा पर फेंकी गई स्याही

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि सरकार छात्रों से बातचीत के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार ने संवाद का एक माध्यम पहले ही तय कर रखा है और वह प्रत्येक छात्र की समस्याओं को समझना चाहती है।

आवाज केवल जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम तक सीमित न रहे, बल्कि उनकी वास्तविक समस्याओं का समाधान व्यापक और प्रभावी सुधारों के जरिए किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे ठोस सुधारों की दिशा में आगे बढ़ना चाहती है, जो छात्रों की अपेक्षाओं और जरूरतों के अनुरूप हों। इधर, छात्र आंदोलन

को लेकर भाजपा विधायक सी.पी. सिंह ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से विरोध-प्रदर्शन करना सभी का अधिकार है, लेकिन आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए कुछ प्रदर्शनों में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के आरोप लगे थे, इसलिए झारखंड में आंदोलन

विधायक जयराम महतो ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई

वहीं, झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (JLKM) के विधायक जयराम महतो ने जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि मामले में आरोपी बताए जा रहे व्यक्ति ने जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में दूसरी रैंक हासिल की थी और उसके परिवार के कई सदस्य भी परीक्षा में सफल हुए थे। ऐसे में उस व्यक्ति द्वारा दी गई सभी परीक्षाओं और संबंधित एजेंसी द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं की गहन जांच कराई जानी चाहिए।

कानून और शांति व्यवस्था के दायरे में रहकर होना चाहिए।

भागवत के बयान पर दीपके का पलटवार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के छात्र आंदोलनों को लेकर दिए गए बयान के बाद कांकिरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने अपने आलोचकों पर परोक्ष निशाना साधा है। दीपके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भागवत के बयान से जुड़ी एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'दू दूध इट में कंसंरंज' (जिन्हें समझना है, वे समझ जाएं)। दीपके का यह बयान ऐसे समय आया है जब पिछले महीने नीट-यूजी पेपर लोक और परीक्षा सुधार की मांग को लेकर हुए छात्र



आंदोलन को लेकर राजनीतिक बहस जारी है। माना जा रहा है कि उनका यह तंज उन भाजपा नेताओं की ओर था, जिन्होंने आंदोलन में शामिल छात्रों और सीजेपी पर 'राष्ट्रविरोधी' ताकतों के साथ जुड़े होने के आरोप लगाए थे।

मुंबई में गुरुवार को आयोजित एक कार्यक्रम में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि आज की जेन-जी

(नई पीढ़ी) पहले की पीढ़ियों से अलग है। उन्होंने कहा कि आज के युवा हर बात का तार्किक जवाब चाहते हैं और केवल इसलिए किसी बात को स्वीकार नहीं करते क्योंकि कोई बड़ा व्यक्ति ऐसा कर रहा है। भागवत ने कहा, 'जेन-जी हमारे ही बच्चे हैं। अगर वे किसी मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन करते हैं तो इससे वे राष्ट्रविरोधी नहीं हो जाते। उनकी चिंताओं को सुना जाना चाहिए। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन भी संवाद का एक माध्यम है। विरोध करना गलत नहीं है, लेकिन इसका इस्तेमाल समाज में विभाजन पैदा करने के लिए नहीं होना चाहिए'।

राहुल गांधी का पीएम पर तंज: मुझे और बैटमैन को किसी ने एक साथ नहीं देखा

नई दिल्ली/ए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार रात इंस्टाग्राम पर आयोजित 'आस्क मी एनीथिंग (एमए)' सत्र में युवाओं के सवालों के जवाब दिए। इस दौरान उन्होंने गंभीर राजनीतिक मुद्दों के साथ-साथ हल्के-फुल्के सौरी मजाकिया सवालों का भी जवाब दिया। बातचीत में झारखंड के छात्र आंदोलन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पालतू कुत्ते, पसंदीदा भाजपा नेता और संविधान की विचारधारा जैसे कई विषय



शामिल रहे। एमए सत्र के दौरान एक यूजर ने राहुल गांधी से पूछा, 'क्या आप बैटमैन हैं?' इस पर राहुल गांधी ने हंसते हुए जवाब दिया, 'बस इतना समझ लीजिए कि मुझे और बैटमैन को किसी ने कभी एक ही कमरे में साथ नहीं देखा'। उनके

झारखंड छात्र आंदोलन पर क्या बोले?

झारखंड में छात्रों के विरोध प्रदर्शन को लेकर पूछे गए सवाल पर राहुल गांधी ने कहा कि हर सरकार को छात्रों की बात सुननी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं की चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

इस जवाब पर सोशल मीडिया पर लोगों ने भी खूब प्रतिक्रिया दी।

आरजेडी में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल, जिला से पंचायत तक सभी इकाइयां भंग

नए सिरे से होगा संगठन का गठन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने बिहार में अपनी सभी संगठनात्मक इकाइयों को भंग कर दिया है। इनमें जिला, प्रखंड और पंचायत समितियों के अलावा विभिन्न प्रकोष्ठों की इकाइयां भी शामिल हैं। पार्टी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। राजद की बिहार इकाई के अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने बृहस्पतिवार देर शाम यह बयान जारी किया। राजद उम्मीदवार रेखा गुप्ता अपनी जमानत भी नहीं बचा सकीं



हाल में संपन्न हुए बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में पार्टी की हार के बाद राजद का यह फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपचुनाव में राजद उम्मीदवार रेखा गुप्ता अपनी जमानत भी नहीं बचा सकीं। बयान में कहा गया, 'राजद (बिहार) की सभी स्तरों पर मौजूद संगठनात्मक इकाइयां - जिनमें

संगठन समितियों के पुनर्गठन की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी
इसमें कहा गया है कि राज्यभर में सभी स्तरों पर संगठन समितियों के पुनर्गठन की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। हाल में राजद के दो नेताओं - भाई वीरेंद्र और शक्ति सिंह यादव- के बीच बयानबाजी तेज हो गई थी। दोनों ने बांकीपुर उपचुनाव में हार के बाद पार्टी संगठन को कमजोर करने के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया था।

जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर की इकाइयां तथा सभी प्रकोष्ठों और अन्य संबद्ध संगठनों से जुड़ी इकाइयां शामिल हैं, तत्काल प्रभाव से भंग की जाती हैं।' राजद की सभी संगठनात्मक इकाइयों को भंग किए जाने पर विधायक भाई वीरेंद्र ने शुक्रवार को

संवाददाताओं से कहा कि यह फैसला पार्टी संगठन को पहले से और अधिक मजबूत बनाने के लिए लिया गया है। उन्होंने कहा कि अब पार्टी में केवल समर्पित और सक्षम कार्यकर्ताओं को ही जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी।

डाबर को अंतरिम राहत, दिल्ली हाईकोर्ट ने एफएसएसएआई के आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के उस प्रतिबंध आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें डाबर इंडिया लिमिटेड को कथित रूप से भ्रामक "100 प्रतिशत" दावे वाले कुछ खाद्य उत्पादों की बिक्री रोकने का निर्देश दिया गया था।



न्यायमूर्ति महाजन ने डाबर इंडिया की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए केंद्र सरकार और एफएसएसएआई से जवाब मांगा और अंतरिम आदेश पारित किया। वहीं, इस मामले की अगली सुनवाई 24 अगस्त को होगी। डाबर ने एफएसएसएआई के प्रतिबंध आदेश को चुनौती देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था। नियामक ने कंपनी को कुछ चिन्हित खाद्य उत्पादों की बिक्री तत्काल रोकने का निर्देश दिया था, जिन पर "100 प्रतिशत प्राकृतिक", "100 प्रतिशत शुद्ध", "100 प्रतिशत शुद्धता की गारंटी",

"100 प्रतिशत ऑर्गेनिक" और "100 प्रतिशत टैंडर नाइल पानी" जैसे दावे किए गए थे। मामले को शुरुआत में तत्काल सुनवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ के समक्ष रखा गया था। पीठ ने मामले की तत्काल सुनवाई के लिए अनुमति दी थी। शुक्रवार की सुनवाई के दौरान डाबर की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ने दलील दी कि कंपनी दशकों से इन उत्पादों की बिक्री कर रही है। उन्होंने कहा कि जिस अधिकारी ने आदेश पारित किया, उसके पास इस तरह से इन उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाने का अधिकार नहीं था। यह भी दलील दी गई कि आदेश प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किए बिना और कंपनी को कोई कारण बताओ नोटिस जारी किए बिना पारित किया गया।

ग्रेंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने जीता सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब

नई दिल्ली। भारतीय ग्रेंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने एक राउंड बाकी रहते हुए ही ग्रेंड चेस टूर सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब अपने नाम किया। प्रज्ञानानंद और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के बीच आखिरी मुकाबले का अंत झूँ पर होने के साथ ही भारतीय ग्रेंडमास्टर का खिताब पक्का हो गया। 20 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कुल 35 में से 23 व्वाइंट हासिल करके चौथिनरशिफ को अपने नाम किया। शानदार टूर्नामेंट के बाद सिंदारोव ने 22 व्वाइंट के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि वेस्ली सो 20.5 व्वाइंट के साथ तीसरे स्थान पर रहे। लेवोन अरोनियन 19 व्वाइंट के साथ चौथे स्थान पर रहे, और फैबियानो कारुआना, लीनियर डेमिंवेज और जॉर्डन वैन फ़ैरेस्ट 17 व्वाइंट के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे। प्रज्ञानानंद का किसी प्लेऑफ के सीधे जीत हासिल करने पर 50,000 अमेरिकी डॉलर और 13 ग्रेंड चेस टूर व्वाइंट मिले। इस नतीजे



से प्रज्ञानानंद सिक्फील्ड कप से पहले ग्रेंड चेस टूर स्टीडिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। हालांकि फैबियानो अभी भी ओवरऑल ग्रैंड चेस टूर स्टीडिंग में सबसे आगे हैं। प्रज्ञानानंद ने पांच दिन के इस इवेंट में शुरू से आखिर तक बढ़त बनाए रखी। सिंदारोव ने आखिरी दौर में कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन सफ्त नहीं हो पाए और 1.5 व्वाइंट के अंतर से उपविजेता रहे। जून में, प्रज्ञानानंद प्रतिष्ठित नॉर्वे चस खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच चुके हैं। सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में 31 जुलाई से 7 अगस्त तक सेंट लुइस चस क्लब में दस बेहतरीन ग्रेंडमास्टर शामिल हुए।

‘द ट्रेटर्स सीजन-2’ का ट्रेलर रिलीज



मुंबई। रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन का एलान होने के बाद से ही फैस काफ़ी एक्साइटेट है। अब इसका ऑफिशियल ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है, जो और काफ़ी खतरनाक नजर आ रहा है। प्राइम वीडियो ने अपने सोशल मीडिया पेज पर इसका आधिकारिक ट्रेलर जारी कर दिया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा- 'खेल शुरू हो चुका है। भरोसा करो...अगर हिम्मत है तो।' वहीं ट्रेलर इस बार और खतरनाक नजर आ रहा है। शो को एक बार फिर करण जीहर होस्ट करते नजर आ रहे हैं। ट्रेलर के शुरुआत में कटेरेंटेंट की झलक भी देखने को मिलती है, जिसमें- मल्लिका शेरावत, रिया चक्रवर्ती, मुनक्वर फरुकी,

क्रिस्टल डिसूजा जैसे सितारे नजर आते हैं। जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, शो और खतरनाक होता दिखाई देता है। इस सीजन में दर्शकों को मल्लिका शेरवत, रिया चक्रवर्ती, मुनक्वर फरुकी, क्रिस्टल डिसूजा, पारुल गुलाटी, रणवीर बराड़, शाहनील गिल, दलीप ताहिल, हरमन सिंह, शालिनी पासरी, अभिषेक मल्हान, आदित्य कुलश्रेष्ठ, श्वेता तिवारी, रिदा थराना, अंश चौपड़ा, इक्का और तान्या पुरी समेत अन्य लोगों के बीच खेल का मुकाबला होता दिखेगा। बता दें कि ये शो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा, जिसे करण जीहर होस्ट करते नजर आएंगे। शो 13 अगस्त से शुरू हो जाएगा।



सोनी के कहने से कटा था नरोत्तम का टिकट

दत्तिया सीट की हार को मध्य प्रदेश की बीजेपी पचा नहीं पा रही है। नरोत्तम मिश्र तो खैर मायूस हैं ही। उनकी मायूसी की वजह यह नहीं है कि बीजेपी यहां से हार गई। मायूसी की वजह यह है कि अंदरखाने में हार की वजह उन्हें ही उहराया जा रहा है। अपने नजदीकी लोगों से बातचीत में वे स्वीकार कर रहे हैं कि उनके राजनीतिक करियर को कोई संयोग ही उबार सकता है। इन्हीं चर्चाओं में से यह बात सामने निकल कर आई है कि बीजेपी के आलाकमरन ने उन्हें ही टिकट देने की तैयारी की थी, लेकिन मध्य प्रदेश की राजनीति में दिलचस्पी लेने वाले संघ के वरिष्ठ प्रचारक सुरेश सोनी ने अड़ंगा डाल दिया। बता दें कि सुरेश सोनी पहले बीजेपी और संघ के बीच तालमेल बैठाने की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। सामान्य भाषा में कह सकते हैं कि एक तरह से संघ की ओर से बीजेपी पर नियंत्रण रखने की जिम्मेदारी सोनी के पास रही है। लेकिन सवाल यह है कि सोनी ने नरोत्तम का टिकट क्यों कटवाया? इसका जवाब अभी नहीं मिल पाया है। देर-सवेर इस सवाल का भी जवाब मिल ही जाएगा। तब तक मोहन यादव राहत की सांस ले सकते हैं। अब मध्य प्रदेश में उनके लिए कोई चुनौती तो नहीं दिख रही।



नितिन नवीन पर हार का ठीकरा फोड़ने की कोशिश

बिहार की बांकीपुर सीट से बीजेपी उम्मीदवार की हार पार्टी के नए अध्यक्ष नितिन नबीन के लिए बड़ा झटका है। यह सीट बीजेपी का गढ़ रही है और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का अपना निर्वाचन क्षेत्र भी। यहां से प्रशांत किशोर की जीत और बीजेपी उम्मीदवार अभिषेक की हार को लेकर पटना के राजनीतिक गलियारों में कहल जाने लगा है कि उनका ध्यान अपनी सीट पर कम और सरकारी कामकाज में दखल पर ज्यादा हो गया था। वे बिहार की राजनीति में दखल भी देने लगे थे और सरकार के कामकाज में भी। वे मंत्रियों से मुलाकात करके उन्हें दिशानिर्देश देने लगे थे। वैसे यह खबर उड़ाने में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के खेमे के हाथ माना जा रहा है। वैसे भी पार्टी अध्यक्ष होने के नाते उनका अपने मंत्रियों को निर्देश देना या उनसे मुलाकात करना कोई नई बात और अनहोनी काम नहीं है। जाहिर है कि इस हार के लिए सम्राट चौधरी के खेमे की ओर से नितिन नबीन को निशाना बनाने का मकसद है, अपनी जिम्मेदारी से पीछा हड़्डाना और अपनी कमजोरी को छुपाना है। वैसे तो हर जीत और हार की जिम्मेदारी पार्टी अध्यक्ष के नाते निगिन नबीन की ही है, इसलिए उन्हें सिर्फ बांकीपुर के लिए हल क्यों घेरा जाए।

नवप्रदेश **राजरंग...53**

नितिन नवीन और राहुल नवीन के बीच रिश्तेदारी की खोज

शेक्सपियर ने एक बार मशहूर बात कही थी, नाम में क्या रखा है? लेकिन उन्हें कभी भारतीय राजनीति की मसालेदार और उच्च सरसिता कानाफूसी की दुनिया से नहीं पाला नहीं पड़ा। लुटियंस दिल्ली के आलीशान ड्राइंग रूमों और हरे-भरे गलियारों में, कोई सरनेम किसी खानदान के रुतबे का प्रतीक हो सकता है तो कई अटकलों का कारण बन सकता है, या शमा की चाय पर चर्चा का केंद्र हो सकता है। शमा के गलियारों में आजकल दो लोगों के नाम को लेकर ज़बरदस्त चर्चा है, जिनका सरनेम एक है: बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष इन्दित नवीन और प्रवर्तन निदेशालय यानी सीआईए के प्रमुख राहुल नवीन। दरअसल ई प्रमुख के कार्यालय की समीक्षा की घड़ी न जासूसों और ड्राइंगरूम के रणनीतिकारों ने अभी है कि वे चचेरे भाई हैं। हालाँकि कुछ कपापरिवारिक रिश्ते का कोई जेस सबूत नहीं है। फिर लुटियंस की किसी ठोस कहानी का अभाव आने वाले आखिरी फैसले तक इंतज़ार कर



शीर्ष पर अदावत की अटकले

बड़े राज्य के बड़े मंत्री हैं..लिहाजा उनका दिल्ली आना-जाना कोई नई बात नहीं..लेकिन राष्ट्रीय राजधानी की वे कुछ ज्यादा ही परिक्रमा करते रहते हैं। भले ही उनकी पार्टी के राष्ट्रीय नेता पत्रकारों से कम मिलते हों..लेकिन वे खूब मिलते हैं..अभी हाल ही में उन्होंने अपने नजदीकी पत्रकारों से पूछ लिया..क्या मोदी जी और शाह जी में कोई अदवात चल रही है। अब पुराने जमाने की सरकार तो रही नहीं कि पत्रकारों को पता हो कि सचमुच शीर्ष स्तर पर ऐसा कुछ चल रहा है या नहीं। इसलिए पत्रकारों के बाद इस सवाल का कोई जवाब तो था नहीं..अलबत्ता उनके सवाल के बाद राजधानी के सत्ता के गलियारों में पत्रकारों के जरिए से यह बात जरूर पहुंच गई कि देश के दोनों शीर्ष नेताओं के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा। इससे कानाफूसी को बल मिल रहा है। पत्र मिलने की वजह है काकोरोच जनता पार्टी से निबटने का तरीका। किसान आंदोलन के बाद बीजेपी पहली बार किसी आंदोलन के सामने झुकती नजर आ रही है। माना जा रहा है कि पहले गृहमंत्री के नाते अमित शाह इसे संभाल रहे थे, लेकिन जब मामला हाथ से निकलता दिखा तो प्रधानमंत्री मोदी ने खुद अपने हाथों में कमान थाम ली। इसके बाद से वे लगातार जेन जी से संपर्क और स्वाद का सिलसिला बनाए रखे हुए हैं। इसके लिए उनकी सोशल मीडिया पर चाहे जितनी भी ट्रोलिंग की जा रही हो, लेकिन वे लगातार कोशिश में जुटे हुए हैं। जबकि अमित शाह इन दिनों शांत दिख रहे हैं।



कड़ी कार्रवाई या दिखावे की कोशिश

सीजेपी के आंदोलन से हुए नुकसान की भरपाई की कोशिश के तहत सरकार ने एक तरह से जानी-पहचानी पीआर चाल चली है। असल में यह फैसला बेवध सतही है, लेकिन सरकार ने शांति ऐसे प्रस्तुत किया है, जैसे वह बहुत ही गंभीर फैसला हो। नेपनाल टॉक्सिक एजेंसी यानी एमटीए की परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों को लेकर जनता के गुस्से को शांत करने के लिए, सरकार ने परीक्षा सुधार पर एक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स बनाई है। इसमें अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इस्परो के पूर्व चेयरमैन एस. सोमानाथ, खुपिया ब्यूरो के पूर्व निदेशक तपन डेका और आइआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. बी. कामरती को शामिल किया गया है। इस कदम से गुरुत कुछ सवाल उठते हैं कि शिक्षा में बड़े बदलाव के लिए गठित समिति में रैंकट विज्ञानी, पूर्व इंटीलजेंस चीफ और कंप्यूटर इंजीनियर का क्या काम हो सकता है और वे किस तरह तालमेल बना सकते हैं। भले ही कामकोटी को उनके तकनीकी पृष्ठभूमि के चलते शामिल किया गया हो, लेकिन यह सवाल उठता है कि क्या इससे काम में दोहराव नहीं होगा। वजह यह है कि इस पैनल की अगुवाई पहले से ही टेक दिग्गज नंदन नीलेकणि कर रहे हैं? कुल मिलाकर, शिक्षा के मूल्यांकन के मुख्य क्षेत्र से बाहर के हर्ड-प्रोफेशनल लोगों से इस पैनल को देखकर ऐसा लगता है कि यह किसी ठोस प्रशासनिक समाधान की बजाय, विवाद कर रहे छात्रों को शांत करने और कड़वा एकाग्र लेने का दिखावा करने की एक कोशिश ज्यादा है।

न्यूज गैलरी

शिप्रा आरती को लेकर बढ़ा विवाद, मंदिर समिति पर परंपरा में हस्तक्षेप का आरोप

आचार्य सत्यम ने दी सत्याग्रह की चेतावनी, निर्णय वापस लेने की मांग

उज्जैन/नगपुरेरा। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा शिपा आरती के संचालन की व्यवस्था अगस्त महीने में लेने के निर्णय को लेकर विवाद गहरीता जा रहा है। मालव रक्षा अनुष्ठान के संयोजक आचार्य सत्यम ने शिपा मंदिर समिति और जिला प्रशासन पर अपराधगत शिपा आरती में हस्तक्षेप और अवैध नियंत्रण स्थापित करने का आरोप लगाते हुए निर्णय तत्काल वापस लेने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्णय वापस नहीं लिया जाता तो वे सत्याग्रह के साथ वैधानिक कार्रवाई भी करेंगे। शुरूवार को जिला प्रशासन ने मालव रक्षा अनुष्ठान के संयोजक से अधिकांश सदनराजपूजा, पुरोहित (आचार्य सत्यम) में आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन के सहयोग से महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति ने शिपा आरती का संचालन करने में अवैध नियंत्रण में ले लिया है। उनका कहना है कि यह कदम अपराधगत व्यवस्था के विपरीत है और इससे वर्षों से चली आ रही मार्गिक परंपरा प्रभावित हो रहे हैं। आचार्य सत्यम ने यह भी आरोप लगाया कि धर्मालोकेश्वर वैदिक प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान ने अध्ययनरत बटुओं से आरती कराई जा रही है, जिसे उन्होंने उनका शारीरिक शोषण बताया। उन्होंने कहा कि शिपा आरती पर तीर्थ पुरोहितों और उनके संगठनों का परंपरागत एवं वैधानिक अधिकार है, जिसे किसी भी प्रशासनिक या नदिर प्रबंध समिति द्वारा छीन नहीं जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले से आरती का संचालन कर रहे लोगों को व्यक्तित्व द्वेष के आधार पर हटाया गया है, जबकि उन्हें पूर्व में शासकीय संस्थाओं का सहयोग प्राप्त था। साथ ही उन्होंने महाकाल मंदिर की सुस्था व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यप्रणाली में भी सवाल उठाते हुए पूरे मामले की जांच-पड़ताल की मांग की। आचार्य सत्यम ने कहा कि यदि मंदिर समिति अपना निर्णय वापस नहीं लेती है तो मालव रक्षा अनुष्ठान लोकतांत्रिक तरीके से सत्याग्रह करेगा और न्यायालय सहित अन्य वैधानिक मंत्रों का भी सहारा लिया जाएगा। हालांकि, इस मामले में महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति या जिला प्रशासन की ओर से इन आरोपों पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

भाटीसुड़ा रेलवे स्टेशन का विरोध न करना भाजपा की बड़ी भूल : नागरिक अधिकार मंच

नागदा/नगपट्टरा: नागरिक अधिकार मंच ने भाटीसुझ रेलवे स्टेशन के प्रस्ताव को लेकर भाजपा पर नागदा के हितों से सफाई करने का अपेक्षा लगाया है। मंच के संयोजक अण्णा घोषा ने कहा कि सफाई रेलवे भाटीसुझ रेलवे स्टेशन के प्रस्ताव का विरोध नहीं करना भाजपा की सबसे बड़ी बड़ी राजनीतिक भूल साबित हुई। उनका दावा है कि यदि यह स्टेशन नहीं बनता, तो नागदा को इस्का सीमा लाभ मिलता और रेल बायापास की ज़रूरत नागदा एकने की संभावना भी बंद नागदा। अण्णा घोषा ने कहा कि भाजपा ने न तो रेल बायापास के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया, लेकिन भाटीसुझ रेलवे स्टेशन के प्रस्ताव का प्रभावी विरोध नहीं किया। यदि सभी जनप्रतिनिधि एकजुट लेकर इस प्रस्ताव का विरोध करेंगे, तो किसानों की बड़ी मात्रा में भूमि अधिग्रहण से बच सकती थी और नागदा के हितों की बेहतर रक्षा होती। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यपाल, सांसद और विधायक के अलग-अलग प्रयासों के कारण क्षेत्र की मांग कमजोर पड़ गई। यदि सभी जनप्रतिनिधि और राजनीतिज्ञ एक एक मंच पर आकर राजनीति बनाते, तो परिणाम क्या होने से सकते थे। नागरिक अधिकार मंच ने यह भी आरोप लगाया कि क्षेत्र में भाजपा के जनप्रतिनिधि होने के बावजूद नागदा के हितों की अपेक्षा अन्य प्राथमिकताओं को महत्व दिया गया, जिससे आम जनता में असंतोष बढ़ा है। मंच ने भाजपा से अपनी भूल स्वीकार कर नागदा के हितों, किसानों की भूमि और शहर के भविष्य की रक्षा के लिए स्पष्ट एवं जनहितकारी रुख अपनाने की मांग की है।

महाकाल मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, एक दिन में 3 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

उज्जैन/नवपदेरा। श्रावण-भादौ मास में बाबा मलकाल के दरबार में आस्था का जनसैनावा लगातार उमड़ रहा है। गुरुवार 6 अगस्त को 3,00,296 भक्तियों ने भगवान श्री मलकालेश्वर के दर्शन कर पुण्य लाभान्वित किया। मंदिर प्रशासन के अनुसार, दर्शन व्यवस्था के तहत 15,527 भक्तियों ने भी शीघ्र दर्शन सुविधा का लाभ लिया। वहीं कांवेड यात्रियों, स्थानीय यात्रियों, मर्मियों और दैनिक दर्शनार्थियों सहित 51,689 भक्तियों ने हरद्वार में मलकालेश्वर के दर्शन कर पुण्य लाभान्वित किया।

रामघाट पहुंचे महापौर मुकेश टटवाल, सफाई व्यवस्था का लिया जायजा

उज्जैन/नवाप्रदेश। श्रावण मास में रामघाट पर उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए शुक्रवार को मठाधीश मुकुेश टटवाल ने रामघाट पहुंचकर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने घाट, सीढ़ियों और आसपास के क्षेत्रों का जायजा लेते हुए सफाई मित्रों को निर्देश दिए कि स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतनी जाए और श्रद्धालुओं को सफा-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराया जाए। मठाधीश ने कस कि रामघाट उज्जैन की धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन और स्नान के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में घाट की नियमित सफाई, कचरा प्रबंधन और पूजन सामग्री के उचित निस्तारण और



जनविश्वास अभियान के तहत संभागायुक्त व कलेक्टर ने बामोरा का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य, राशन, शिक्षा और कृषि व्यवस्थाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

उज्जैन/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत संभागायुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने शुक्रवार को बांमोरा क्षेत्र का दौरा कर उप स्वास्थ्य केंद्र, उचित मूल्य दुकान, आंगनवाड़ी केंद्र और शासकीय माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं, टीबी स्क्रीनिंग, दवा वितरण, राशन की गुणवत्ता और शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही मिट्टी के कुल्हड़ निर्माण से जुड़े प्रजापति परिवार के कार्य की सरहाना करने हुए उन्हें शासकीय योजनाओं से जोड़ने और स्वरोजगार को बढ़ावा देने की बात कही। संभागायुक्त और कलेक्टर ने वर्मीकम्पोस्ट तैयार कर जैविक खेती करने वाले किसानों तथा फसल विविधीकरण अपनाने वाले कृषकों के प्रयासों की भी सरहाना की और अन्य किसानों को भी इस दिशा में प्रेरित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।



उज्जैन में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई,
8 लाख से अधिक का 1272 लीटर घी जब्त

दो प्रतिष्ठानों पर छापा, गुणवत्ता जांच के लिए नमूने राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए

उज्जैन/नवप्रदेश। खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी एवं सन्दिग्ध खाद्य पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के दो प्रचिन्नानों से 8 लाख रुपये से अधिक मूल्य का 1272 लीटर भी जब्त किया। जब्त किए गए घी के नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। आयुक्त खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश रक्षा तथा कलेक्टर शैलेश कुमार सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने तिलक मार्ग, दौलतगंज स्थित



सर्वकारम घनश्यामादास प्रतिष्ठान कनिरीक्षण किया। जांच के दौरान यह धोलपुर फ़ेस प्रीमियम कालिटी देसी घी विभिन्न पैकिंग में संग्रहित मिला। बिलों की जांच में यह घी इंदौर स्थित मोलेले बाब लम्फ फूड प्रोडक्ट से खरीदा जाना पाया गया। गुणवत्ता पर संदेह होने पर विभाग ने करीब 1116 लीटर घी

व्यवस्था पूरी गंभीरता से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सफाई मित्रों को घाट परिसर में लगातार निगरानी रखने और स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दृष्टान्त रामघाट पर सक्रिय थिप्पा कचरा टीम द्वारा जमाव जा रही जनजागरूकता अभियान की भी जानकारी ली गई। टीम ब्रह्मपुत्रो से अपील कर रही है कि वे फूल, माला और अन्य पूजन सामग्री थिप्पा नदी में प्रवाहित न करें, बल्कि निर्धारित निर्मल्य कूड़े में ही विस्थापित करें, ताकि मा थिप्पा की पवित्रता और

नागदा में हत्या का आरोपी चंद घंटों में गिरफ्तार, पुलिस की त्वरित कार्रवाई

पैसों के विवाद में युवक की चाकू मारकर हत्या, रैपिड एक्शन मोड में कार्रवाई कर आरोपी दबोच

उज्जैन/नागदा। नागदा पुलिस ने पैसों के विवाद में हुई युवक की हत्या के मामले का चंद घंटों के भीतर खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई की वरिष्ठ अधिकारियों ने सराहना की है। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (देहात) करणवीर सिंह एवं नगर पुलिस अधीक्षक विक्रम अहिरवार के निर्देशन में थाना प्रभारी अमृत लाल गहरी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने आरोपी को तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्यों के आधार पर गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार 5 अप्रैल 2020 को जाना नागदा क्षेत्र के किल्कीपुरा ईदगाह के पास शहीद कबाड़ी की दुका सामने वाली गली में पैसों के विवाद के आरोपी शानु उर्फ शाहनवाज शाह ने जफत (20) निवासि गम्फुल बस्ती पर चाकू से वार कर दिव। गंभीर रूप से घायल जफत



को तत्काल शासकीय अस्पताल नागदा पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अमृत लाल गवरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर वैधानिक कार्रवाई शुरू की। परियादी शादिक

शाह की रिपोर्ट पर थाना नागदा में अपराध क्रमांक 444/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) में हत्या का मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की। तकनीकी इनपुट और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपी शाह उर्फ शाहनवाज शाह को घटना के कुछ घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय पेश किया गया, जहाँ से पुलिस ने उसका रिमांड प्राप्त किया है।

पुलिस के अनुसार मामले की विस्तृत विवेचना जारी है तथा घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। वरिष्ठ अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और गंभीर अपराधों पर त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिए हैं।

बड़नगर अस्पताल में एसडीएम का औचकबाज़ी निरीक्षण, अव्यवस्था पर जताई नाराजगी

उज्जैन/नवप्रेषा। बड़नगर के शासकीय चिकित्सालय में गृहवात व अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) धीरेन्द्र पाराशर ने औषध निरीक्षण क

अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान साइकिल स्टैंड पर वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग और सफ़ाई व्यवस्था में कमियाँ मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए। एसडीएम ने साइकिल स्टैंड के ठेकेदार को निर्देशित किया कि सभी वाहनों की सुव्यवस्थित पार्किंग सुनिश्चित की जाए। वहीं, अस्पताल परिसर की साफ-सफ़ाई को तेज कर आउटसोर्स एजेंसी के कर्मचारियों को नियतित सफ़ाई बनाए रखने और किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की चेतावनी दी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दवा विभाग परदे, पर्ची कागज और विभिन्न बाईं का भी निरीक्षण कर सफ़ाई सेवास की स्थिति का आकलन किया तथा मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजेन्द्र अजना

पं. देवेन्द्र स्वामी, डॉ. विजय मातवीय, डॉ. बबीता माथुर, प्रमारी बीई दिनेश कुमार शर्मा, फार्मासिस्ट कन्हैयालाल वर्मा, हर्षचंद्राण परमार सहित अस्पताल व चिकित्सा एवं प्रशासनिक स्टाफ उपस्थित रहे।

